सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 15 अंक - 296 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 8 अगस्त 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

शुरू हुई बृजमोहन के वारिश की तलाश

भाजपा ने रायपुर दक्षिण में प्रारम्भ कर दी किलेबंदी, कांग्रेस नेता भी सक्रिय

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। रायपुर दक्षिण सीट पर विधानसभा के उपचुनाव को लेकर राजनीतिक दल फिर से सक्रिय हो गए हैं। भाजपा ने जहां बृजमोहन अग्रवाल के वारिस की तलाश शुरू कर दी है, वहीं कांग्रेस के नेता भी सक्रिय दिख रहे हैं। भाजपा ने सत्ता और संगठन से जुड़े दो नेताओं को क्षेत्र का प्रभारी बनाकर रणनीतिक रूप से बढ़त बना ली है। कैबिनेटमंत्री श्याम बिहारी जायसवाल व प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा को उपचुनाव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संभावना जताई जा रही है कि निर्वाचन आयोग राज्य की इस सीट के लिए उपचुनाव का ऐलान कर सकता है। ऐसे में भाजपा ने रायपुर दक्षिण सीट पर किलेबंदी शुरू कर दी है। क्षेत्र से लगातार 8 बार विधायक रहे बृजमोहन अग्रवाल पर भी राजनीतिक विश्लेषकों की नजरें है, क्योंकि प्रत्याशी चयन में उनकी भी भूमिका अहम् होगी।

भाजपा ने रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के लिए पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा और साय सरकार में कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को प्रभारी बनाया है। बताया जा रहा है कि दोनों नेता जल्द ही विधानसभा सीट पर पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे और आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे। दरअसल, इस सीट पर भाजपा की उलझने फिलहाल बढ़ती दिख रही है, क्योंकि उपचुनाव के लिए कई दावेदार नजर आ रहे हैं। ऐसे में पार्टी अभी से समन्वय बनाने में जुटी है ताकि उपचुनाव की घोषणा तक प्रचार की रणनीति तय हो सके। छत्तीसगढ़ में भाजपा के सबसे सीनियर नेताओं में शामिल पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के रायपुर लोकसभा सीट से सांसद चुने जाने के बाद उन्होंने रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया था। जिसके बाद अब इस सीट पर उपचुनाव होने हैं। ऐसे में बृजमोहन अग्रवाल पर भी सबकी नजर हैं। माना जा रहा है कि भाजपा के प्रत्याशी चयन में उनकी राय सबसे अहम होगी। क्योंकि रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट भाजपा का गढ़ मानी जाती है। बृजमोहन अग्रवाल लगातार इस सीट से आठ बार विधायक चुने गए ह ां. 2023 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने पूरे छत्तीसगढ़ में सबसे बड़ी जीत हासिल की थी। उन्होंने विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी महंत रामसुंदर दास को हराया था। बृजमोहन अग्रवाल ने 60 हजार से भी ज्यादा वोटों से जीत हासिल की थी।

बृजमोहन के इस्तीफे से खाली ह्ुई सीट

भाजपा के वरिष्ठ नेता और छत्तीसगढ़ सरकार में मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा सदस्य चुने जाने के बाद विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। अग्रवाल ने पार्टी नेताओं की मौजूदगी में विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह के आवास पर अपना इस्तीफा सौंपा था। उसके बाद से यह सीट खाली है। माना जा रहा था कि वर्षांत में होने वाले नगरीय निकाय के चुनावों के साथ ही इस सीट पर भी उपचुनाव करा लिया जाएगा। लेकिन राजनीतिक दलों, खासकर भाजपा में चल रही सुगबुगाहट के बाद यह संभावना बढ़ी है कि रायपुर दक्षिण सीट पर उपचुनाव का ऐलान इससे पहले भी हो सकता है।

कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न

रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट भाजपा और कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का सवाल भी बनी हुई है। ऐसे में भाजपा अपने सबसे मजबूत गढ़ को बचाए रखने के लिए अभी से तैयार नजर आ रही है। प्रभारियों की नियुक्ति में भी सीनियर नेताओं को यहां की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं कांग्रेस के नेता भी यहां एक्टिव नजर आ रहे हैं। हालांकि संगठन स्तर पर कोई सुगबुगाहट फिलहाल नजर नहीं आ रही है, लेकिन पार्टीजनों का कहना है कि संगठन अपना काम कर रहा है। कांग्रेस की तरफ से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की भूमिका प्रत्याशी के चयन में अहम रहेगी। माना जा रहा है कि भूपेश बघेल भी जल्द ही रायपुर दक्षिण विधानसभा का दौरा कर सकते हैं।

एक्टिव हुए सीएम जनदर्शन और सहायता केन्द्र

इधर, प्रदेश की साय सरकार ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में सहायता केन्द्र फिर से एक्टिव कर दिया है। मुख्यमंत्री की पिछली व्यस्तताओं के बाद सीएम जनदर्शन भी शुरू हो गया है। भाजपा कार्यालय में आज वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने आमजनों से मुलाकात की। वहीं कल 9 अगस्त को महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े लोगों से मिलेंगी। छत्तीसगढ़ में आम जनता की समस्याओं को सुनने के लिए भाजपा ने सहायता केन्द्र की शुरूआत की थी। यह सहायता केन्द्र भाजपा दफ्तर में खोला गया है, जहां हर विभाग के मंत्री अलग-अलग दिन बैठेंगे और लोगों की समस्याओं को सुनेंगे।

भाजपा को रणनीतिक बढ़त

छत्तीसगढ़ में इकलौती सीट रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर उपचुनाव की तारीखों का भले ही ऐलान न हुआ हो, लेकिन कांग्रेस-भाजपा दोनों में इस सीट को लेकर राजनीतिक समीकरण तेजी से बन और बिगड़ रहे हैं। इस सीट के लिए कांग्रेस-भाजपा में दावेदारों की संख्या इतनी अधिक हो गई है कि वरिष्ठ नेताओं की उलझने बढ़ गई है। इसे देखते हुए अब दोनों दलों ने सर्वे को प्राथमिकता देने की रणनीति तैयार की है। प्रदेश में भाजपा की सत्ता है और रायपुर दक्षिण सीट भी भाजपा का गढ़ है, ऐसे में पार्टी को नतीजों को लेकर कोई संदेह नहीं है। फिर भी भाजपा ने रणनीतिक रूप से बढ़त बनाने के लिए दो प्रभारियों की नियुक्ति की है।

खास-खबर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने श्रम विभाग के 12 हितग्राहियों को योजनाओं के तहत चेक सौंपे

रायपुर। मुख्यमंत्री निवास में आयोजित जनदर्शन में आज हजारों की तादाद में प्रदेशभर से लोग अपनी फरियाद लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मिलने पहुंचे हैं। रिमझिम फुहारों के बीच लोग पूरी उम्मीद और उत्साह के साथ मुख्यमंत्री श्री साय से मिल रहे हैं। इसी दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के तहत 12 हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से सहायता राशि के चेक सौंपे। ज्ञात हो कि आज की मुख्यमंत्री जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान श्रम विभाग की ओर से 6 हजार 205 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत कुल 11 करोड़ 41 लाख 25 हजार 500 रुपये की सहायता राशि के चेक प्रदाय किए गए। इसमें मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत दो हजार 606 हितग्राहियों को 05 करोड़ 21 लाख 20 हजार रुपये, मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत दो हजार 593 हितग्राहियों को 05 करोड़ 18 लाख 60 हजार रुपये तथा मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के तहत 827 हितग्राहियों को 15 लाख 66 हजार रुपये के चेक प्रदाय किए गए।

इसी तरह मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना के तहत 100 हितग्राहियों को 20 लाख रूपये के चेक, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना के तहत 34 हितग्राहियों को 34 लाख रुपये, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत 29 हितग्राहियों को 30 लाख 50 हजार रुपये तथा मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के 16 हितग्राहियों को कुल एक लाख 29 हजार रुपये के चेक दिए गए।

एक फोन में पांच साल से नहीं मिल रहे स्कूल ड्रेस की मिली राशि

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में अब एक फोन पर समस्या का समाधान मिल रहा है। अभनपुर के सिंगारभाठा निवासी बृजमोहन साहू ने सचदेवा इंटरनेशनल स्कूल धुसेरा द्वारा छात्रों को आरटीई के तहत स्कूल यूनिफार्म के लिए मिलने वाली राशि नहीं मिल रही है। इसकी शिकायत उन्होंने जिला प्रशासन के जन समस्या निवारण कॉल सेंटर में किया। जिसके बाद संबंधित विभाग ने स्कूल प्रबंधन से इसकी जानकारी ली। स्कूल प्रबंधन ने इसके बाद शिकायतकर्ता श्री साहू को तुरंत बुलाकर बच्चे के स्कूल ड्रेस के लिए 4740 रूपए की राशि दी। इससे वे संतुष्टी जताते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

दंतैल हाथी के आतंक से राहगीरों में दहशत, 20 से अधिक गांव में हाई अलर्ट जारी

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में हाथियों का आतंक बढ़ गया है। दरअसल इस बीच बागबाहरा रोड को पार करते हुए कुछ हाथी दिखाई दिए है।हाथियों ने खेत के फसलों के साथी ही आम लोगों को भी नुकसान पहुंचा रहा है। बतादें कि इस दौरान दंतैल हाथी के आतंक से राहगीर दहशत में भी आ आई हैं।

ानकारी के मुताबिक ये हाथी रेलवे लाइन को पार कर गौरखेडा की ओर बढ़ रहे हैं।ऐसे में आक्रोशित वन अमला हाथ पर हाथ रखे है। दंतैल हाथी पर नजर बनाए हुए है। बता दें कि इन दिनों लगातार हाथियों का आतंक बढ़ गया है। जिसके चलते गौरखेडा, दलदली उमरदा,अरणड, सोरिद गांव को हाई अलर्ट पर लाख गया है।

रिजर्व बैंक ने लगातार नौंवी बार रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा

18 महीनों से ब्याज दरों में बदलाव नहीं

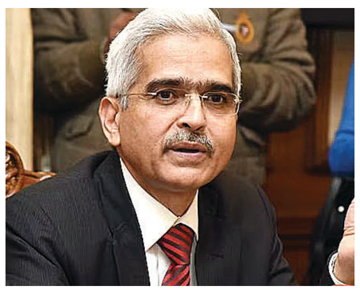

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने तीन दिन की बैठक के बाद रेपो रेट को मौजूदा दर 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का फैसला किया है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मौद्रिक नीति समिति ने 6, 7 और 8 अगस्त को हुई बैठक के में 4:2 के बहुमत से नीतिगत ब्याज दरों यानी रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया। रेपो रेट में फरवरी 2023 से कोई बदलाव नहीं किया गया है। एमपीसी के फैसलों के एलान के बाद अब एक बात साफहो गई कि आम आदमी को ऋणों की ईएमआई पर फिलहाल कोई राहत नहीं मिलने वाली है।

एमपीसी के फैसलों की जानकारी देनते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अस्थिरता दिख रही है। हालांकि दुनियाभर में महंगाई में कमी आ रही है। सेंट्रल बैंक अर्थव्यवस्था की स्थिति के आधार पर ब्याज दरों पर फैसला ले रहे हैं। घरेलू अर्थव्यवस्था में मजबूती कायम है। सर्विस सेक्टर का प्रदर्शन काफी बेहतर हुआ है। सेवा क्षेत्र और निर्माण क्षेत्र में मजबूती जारी है। आरबीआई गवर्नर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में जीडीपी 7.2 प्रतिशत बरकरार रहने का अनुमान है। मौद्रिक नीति समिति की पिछली बैठक जो जून में हुई थी में भी एमपीसी के छह में से चार सदस्यों ने रेपो दर को अपरिवर्तित रखने के पक्ष में मतदान किया था। जयंत वर्मा और आशिमा गोयल ने नीतिगत रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती और रुख में बदलाव के लिए मतदान किया था।

महंगाई पर क्या बोले आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास?

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि महंगाई को लेकर केंद्रीय बैंक सतर्क है। उम्मीद है कि मुद्रास्फीति कम होगी। उन्होंने कहा कि महंगाई दर 4 फीसदी पर लाने की आरबीआई की कोशिश जारी है। दास ने कहा कि खाद्य महंगाई दर अब भी चिंताजनक स्थिति में है। मौद्रिक नीति समिति ने वित्तीय वर्ष (एफवाई 25) के लिए महंगाई पर अपने पूर्वानुमान को 4.5 प्रतिशत पर स्थिर रखने का फैसला किया है। एमपीसी की बैठक में खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों पर भी सावधानी बरतने की बात कही गई। केंद्रीय बैंक का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी, तीसरी और चौथी तिमाही में मुद्रास्फीति क्रमशः 4.4 प्रतिशत, 4.7 प्रतिशत और 4.3 प्रतिशत रहेगी। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि विकास दर में तेजी बरकरार रहेगी। गवर्नर ने कहा कि साउथ वेस्ट मानूसन अब तक बेहतर है। खरीफकी बुवाई भी अच्छी है। दास ने कहा, 'हम बाजार की उम्मीदों और आरबीआई की नीतियों के बीच अच्छी मात्रा में तालमेल देख रहे हैं।'

डिसक्लीफाई होने के बाद विनेश फोगाट ने किया संन्यास का एलान, कहा- मां.. मेरी हिम्मत टूट गई

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में फाइनल का सफर तय करने के बाद एक्स्ट्रा वेट की शिकार होने के बाद डिसक्लीफाई होने के बाद सबको चौंकाते हुए पहलवान विनेश फोगाट ने संन्यास का एलान कर दिया। उन्होंने भावुक सोशल मीडिया पोस्ट में मां को याद करते हुए लिखा कि उनकी हिम्मत टूट चुकी है। साथ ही अपने समर्थको से कहा कि वह सभी की ऋणी रहेगी।

रेसलर विनेश फोगाट ने अपने एक्स हैंडल- @Phogat_Vinesh पर 24 साल के करियर का जिक्र करते हुए लिखा, 'अलविदा कुश्ती 2001-2024।' भावुक 29 वर्षीय पहलवान विनेश ने मां को याद कर उनसे माफी मांगते हुए लिखा, 'मां कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई। माफ करना। आपका सपना, मेरी हिम्मत टूट चुके हैं। इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब।' ओलंपिक में डिसक्लीफाई होने की खबर मिलने पर पूरा देश सकते में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत देश की खेल और सियासी जगत की कई हस्तियों ने विनेश को चैंपियन बताते हुए उनका हौसला बढ़ाया था

खेल पंचाट से रजत पदक देने की अपील

इससे पहले बुधवार देर रात आई खबर के मुताबिक पेरिस के स्थानीय समयानुसार शाम करीब 5.51 बजे उन्होंने खेल पंचाट यानी कोर्ट ऑफआर्बिट्रेशन ऑफस्पोर्ट्स (CAS) के सामने खुद को रजत पदक देने की अपील की है। दरअसल, उन्होंने मंगलवार को लगातार तीन मैच जीतकर फाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि, बुधवार को उनके वजन को मापा गया तो वह 100 ग्राम ज्यादा निकला। इसके बाद उन्हें डिसक्वालिफाई कर दिया गया था। खेल पंचाट खेल के लिए मध्यस्थता न्यायालय भी कहा जाता है। अब अंतिम फैसला खेल पंचाट को ही लेना है।

अब छत्तीसगढ़ होगी दारू-दारू

श्रीकंचनपथ

मदिरा प्रेमियों के लिए खुशखबरी है। अब दुनिया भर के मशहूर ब्रांड्स की फारेन लिकर यहां की सरकारी दारू दुकान में मिलेगी। इसकी दरें मिल चुकी हैं। मदिरा प्रेमियों के लिए इसकी चिल्हर दरें भी तय कर दी गई हैं। दारू में किसी भी प्रकार की मिलावट न हो, इसके लिए पुख्ता इंतजाम किये जा रहे हैं। दुकान में कौन-कौन सा ब्रांड कितने में उपलब्ध है, इसकी जानकारी भी अब मोबाइल ऐप से मिलेगी। दरअसल, विरोध कभी दारू का रहा ही नहीं है। शराब को लेकर जितने भी झोल-झमेले अब तक हुए हैं वो दो नंबर की दारू बिक्री को लेकर होते रहे हैं। सरकार भी यही चाहती है कि सबकुछ एक नंबर में हो। कितनी शराब आई, कितनी बिकी, कितनी बची इसका रिकार्ड पुख्ता होना चाहिए। इधर-उधर से लाकर लोग शराब न खपा सकें, पूरा अमला इसी उधेड़बुन में लगा रहता है। अगर सरकार के इंतजामात सही-सही चले तो कोचियों को नया धंधा ढूंढना पड़ेगा। छत्तीसगढ़ में अभी जो हालात हैं उसमें दारू के फुटकर व्यापारी बड़ी संख्या में काम कर रहे हैं। गांव-गांव में रहने वाले ऐसे कोचिए 4-5 बोतल शहर की दुकान से खरीद लाते हैं। एक-आध बोतल अपने दोस्तों के साथ खर्च करते हैं और बाकी को कुछ पैसे अतिरिक्त लेकर बेच देते हैं। इससे दूसरे दिन का भी खर्चा निकल आता है। वैसे गांवों में नशे को लेकर ट्रेंड चेंज हो रहा है। पिछले कुछ सालों में दारू के साथ पाउडर और धुएं का नशा करने वालों की संख्या गांवों में तेजी से बढ़ी है। एक पुड़िया लेकर 4-6 लोग बैठते हैं। चिलम बनती है और खींच-खांच कर लोग पड़े रहते हैं। नशे के बाजार की बदइंतजामी और शहरी से लेकर ग्रामीण अंचलों में बढ़ती बेरोजगारी भी इसका एक कारण है। वैसे छत्तीसगढ़ की संस्कृति नशे का विरोध करती है। कुछ गांवों में इसके लिए अपने नियम कानून भी बना रखे हैं। सक्ती जिले के परसाडीह गांव में नाबालिगों को तम्बाकू युक्त सामग्री देने पर दुकानदार पर पांच हजार का जुर्माना लगाया जाता है। शराब बेचते पाए जाने पर 20 हजार रुपए पेनाल्टी लगता है। ये कानून बीते 7 साल से लागू हैं। इसी तरह बालोद जिले के घूमका गांव में शराब बेचने या खरीदने वाले पर 51,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाता है। कोरबा जिले के रजगामार चौकी क्षेत्र के ग्राम बुंदेली में मझवार समाज महुआ शराब बनाने वाले पर 11 हजार का जुर्माना लगाता है। पीकर हुड़दंग मचाने वालों से भी 11 सौ वसूले जाते हैं। पर चिंता कि विषय अब शराब नहीं है। सात राज्यों के बार्डर से जुड़ छत्तीसगढ़ नशे का कारोबार करने वालों का साफ्ट टारगेट बन गया है। उत्तर प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, तेलंगाना, पंजाब और महाराष्ट्र के नशा कारोबारी छत्तीसगढ़ का उपयोग कॉरिडोर के रूप में कर रहे है। गांजा के साथ ही नाइट्रोटेन, अल्फाजोन, अफीम, ब्राउन-शुगर, हेरोइन, चरस, कोकीन खपाई जा रही है। इसे रोकना एक बड़ी चुनौती है।

संपादकीय

पड़ोस से सबक

बांग्लादेश के घटनाक्रम पर भारत की सतर्कता और समझदारी की सराहना करनी चाहिए। सरकार ने संसद में कोई बयान देने से पहले बांग्लादेश के विषय पर जिस तरह सर्वदलीय बैठक का आयोजन किया है, वह अनुकरणीय है। विपक्ष के लगभग सभी महत्वपूर्ण नेताओं की भी प्रशंसा करनी चाहिए कि सभी ने बैठक में भाग लिया और अपनी-अपनी बात रखी। किसी भी विवादित विषय पर कोई निर्णय लेने से पहले सर्वसम्मति बनाने की चेष्टा सजीव लोकतंत्र का वही गुण है, जिसका अभाव बांग्लादेश में अक्सर उभरता रहा है।

किसी भी लोकतांत्रिक देश को ऐसी स्थिति में कतई नहीं फंसना चाहिए, जहां सियासी पार्टियों के बीच दूरियां इस कदर बढ़ जाएं कि फौज दखल देने को मजबूर हो जाए। वाकई अगर बांग्लादेश में सत्ता पक्ष और विपक्ष को अपनी-अपनी सीमाओं का अंदाजा होता, तो यह नौबत नहीं आती। अब ऐसी नौबत आ ही गई है, तो कोशिश होनी चाहिए कि कम से कम खूनखराबा न हो। बहुत अफसोस की बात है कि शेख हसीना के देश से पलायन के बावजूद वहां हिंसा थमी नहीं है और कथित रूप से 100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

यह एक बड़ा सवाल है कि वहां छात्रों को अब क्या नाराजगी है? क्या बांग्लादेश में छात्रों के नाम पर असामाजिक तत्वों ने फिर फन फैला लिया है? भारत ने ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र ने भी स्पष्ट कहा है कि हिंसा तत्काल रुकनी चाहिए और जल्द से जल्द अंतरिम सरकार का गठन होना चाहिए। सरकार का एक व्यवस्थित ढांचा जब सामने आएगा, तभी उपद्रवियों पर लगाम लगेगी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा में बताया है कि कई जगहों पर अल्पसंख्यकों के व्यवसायों और मंदिरों पर हमले की रिपोर्ट के बाद भारत सरकार बांग्लादेश के अल्पसंख्यक समुदायों की स्थिति को लेकर बहुत चिंतित है। हालांकि, अफवाहों से भी सावधान रहने की जरूरत है। ऐसे अनेक तत्व होंगे, जो इस प्रकरण को सांप्रदायिक रूप देना चाहेंगे। जैसे, एक अफवाह उड़ी थी कि वहां की क्रिकेट टीम के सदस्य लिटन दास के घर पर उपद्रवियों ने हमला बोल दिया है। वास्तव में, बांग्लादेश से आ रही खबरों को दो-तीन बार परख लेने की जरूरत है। अनेक स्थानों पर बांग्लादेशी नागरिक ही अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए खड़े हो गए हैं। भारतीय विदेश मंत्री ने भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए विभिन्न समूहों और संगठनों की पहल का स्वागत किया है।

बेशक, भारत ने शेख हसीना को बांग्लादेश से निकलने में मदद की है, पर विदेश मंत्री ने यह भी बता दिया है कि भारत ने शेख हसीना को संयम बरतने की सलाह बार-बार दी थी और आग्रह किया था कि हालात को बातचीत से सुलझा लें। अफसोस, हसीना ने सलाह पर गौर नहीं किया और अब यूरोप में शरण खोज रही हैं। यूरोपीय देश भी शरण देने से पहले चिंतित हैं, क्योंकि अब उनके यहां भी कट्टरता पैठ गई है। शेख हसीना का पतन वास्तव में उन सभी नेताओं के लिए सबक है, जो विपक्ष या विरोधियों के लिए जगह नहीं छोड़ते हैं। जो लोकतंत्र और चुनाव की इज्जत नहीं करते हैं। आज के समय में सत्ता में बने रहने से ज्यादा जरूरी है- प्रतिकूल परिवेश न बनने देना। इसके बावजूद अगर हालात खिलाफ हो जाएं, तो समय रहते सत्ता से अलग हो जाना ही बड़प्पन की निशानी है। ऐसे बड़प्पन से ही लोकतंत्र की ताकत बढ़ती है और अराजकता पर अंकुश रहता है।

नजरिया

आदिवासी अंचलों में पहुंच रही हैं तेजी से विकास योजनाएं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ में 32 प्रतिशत जनजातीय समुदाय की आबादी को देखते हुए राज्य की बागडोर श्री विष्णु देव साय के हाथों में सौंपी है। राज्य गठन के 23 वर्षों बाद वे ऐसे पहले आदिवासी नेता है जिन्हें राज्य के मुखिया के तौर पर कमान सौंपी गई है।

छगनलाल लोन्हारे/जीएस केशरवानी
(उप संचालक)

राज्य में नई सरकार की गठन के साथ ही उन्होंने किसानों, महिलाओं और वंचित समूहों को आगे बढ़ाने के लिए योजनाओं की शुरूआत की। वे सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के ध्येय वाक्य को लेकर सभी वर्गों की उन्नति और बेहतरी के लिए काम कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी संस्कृति की देश-विदेश में अलग पहचान रही है। राज्य के आदिवासी अंचल एक ओर वनों से आच्छादित है। वहीं इन क्षेत्रों में बहुमूल्य खनिज सम्पदा भी है। मनोरम पहाड़ियां, झरनें, इठलाती नदियां बरबस लोगों को आकर्षित करती हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में गठित नई सरकार बनने के बाद राज्य के आदिवासी अंचलों में जन जीवन में तेजी से बदलाव लाने और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने के लिए अनेक नवाचारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।

आदिवासी समुदाय को सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संचालित की जा रही महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री जनमन योजना में आदिवासी बहुल क्षेत्रों में सड़क, बिजली, आवास, पेयजल जैसी महत्वपूर्ण मूलभूत सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। साथ ही केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है।

आदिवासी क्षेत्रों के तेजी से विकास सुनिश्चित करने के लिए केन्द्र सरकार की पहल पर जगदलपुर के नगरनार में लगभग 23 हजार 800 करोड़ रूपए की लागत से वृहद स्टील प्लांट लगाया गया हैं, इससे आने वाले वर्षों में बस्तर अंचल की पूरी तस्वीर बदलेगी। लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा साथ ही रोजगार के नए अवसरों का निर्माण होगा।

इस साल के केन्द्रीय बजट में जनजाति उन्नत ग्राम अभियान योजना शामिल की गई है। इस योजना से राज्य के लगभग 85 विकासखंडों में शामिल गांवों को विभिन्न मूलभूत सुविधाएं मिलेगी। इसके अलावा जैविक खेती को बढ़ावा देने जैसी प्राथमिकताएं भी जनजाति क्षेत्रों की दशा और दिशा बदलेंगी।

जनजाति क्षेत्रों के तेजी से विकास सुनिश्चित करने के लिए भारत माला प्रोजेक्ट के अंतर्गत रायपुर-विशाखापत्तनम एक्सप्रेसवे बनाया जा रहा है 464 किलोमीटर लंबा और छह लेन चौड़ा एक्सप्रेसवे होगा। यह छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश से होकर गुजरेगा। यह एक्सप्रेसवे मार्ग छत्तीसगढ़ में 124 किलोमीटर, ओडिशा में 240 किलोमीटर और आंध्र प्रदेश में 100 किलोमीटर बनेगी। उड़ीसा से आंध्रप्रदेश के विशाखापटनम तक बनाए जा रहे इस नए कॉरिडोर से आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। वहीं नए उद्योगों की स्थापना से रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

बस्तर के माओवादी आतंक से सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक तरफ सुरक्षा कैंपों की सख्या बढ़ायी जा रही है। वहीं सुरक्षा कैंपों के आसपास 5 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों में केन्द्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए नियद् नेल्लानार जैसी नवाचारी योजनाओं की शुरूआत की गई है। इस योजना के बेहतर और सार्थक परिणाम मिल रहे हैं। लोगों का विश्वास फिर से शासन-प्रशासन के प्रति लौटने लगा है।

आदिवासियों की आय में वृद्धि और उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार तेजी से काम कर रही है। प्रदेश सरकार ने लगातार ऐसे कदम उठाए हैं, जिनसे वनों के साथ आदिवासियों का रिश्ता फिर से मजबूत हुआ है। वनांचल क्षेत्रों में लघु वनोपज की समर्थन मूल्य पर खरीदी के साथ-साथ तेन्दूपत्ता का खरीदी कार्य भी पहले से अधिक व्यवस्थित रूप से किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा 36 कॉलेजों के भवन-छात्रावास निर्माण के लिए 131 करोड़ 52 लाख रूपए मंजूर किए गए है। इससे प्रदेश के 36 कॉलेजों के इफ्रास्ट्रक्चर सुदृढ़ होंगे तथा शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। वहीं युवाओं को उच्च स्तर की शैक्षणिक सुविधाएं प्राप्त होगी और वे बेहतर भविष्य की ओर बढ़ सकेंगे।

राज्य सरकार ने तेन्दूपत्ता पारिश्रमिक दर प्रतिमानक बोरा 4000 से बढ़ाकर 5500 रूपए कर दिया है। इससे लगभग 13 लाख जनजाति परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। इन क्षेत्रों में लघु वनोपज संग्रहण भी महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से हो रहा है। लघु वनोपज के प्रसंस्करण के लिए वनधन केन्द्रों की स्थापना की गई है।

प्रदेश में जनजातिय समुदाय के बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए 75 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इसके अलावा माओवादी प्रभावित क्षेत्र के बच्चों के लिए 15 प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित है। इन विद्यालयों में मेधावी विद्यार्थियों को अखिल भारतीय मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराई जा रही हैं। नई दिल्ली में संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी के लिए संचालित यूथ हॉस्टल में सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 185 कर दी गई है।

राज्य में बस्तर, सरगुजा, मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण तथा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरणों के कामकाज को व्यवस्थित और प्रभावित बनाने के लिए इनका पुनर्गठन किए जाने का निर्णय लिया गया है। इन प्राधिकरणों की कमान अब मुख्यमंत्री के हाथों में होगी। क्षेत्रीय विधायक इन प्राधिकरणों के सदस्य होंगे तथा मुख्यमंत्री के सचिव अथवा सचिव इन प्राधिकरणों के सदस्य सचिव होंगे।

आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए बस्तर अंचल के देवगुड़ियां और घोटुलों तथा अन्य ऐतिहासिक धरोहरों के आसपास एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया जा रहा है। इससे लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है, साथ ही ऐसे स्थानों में प्राकृतिक सुन्दरता भी बढ़ेगी।

अपने देश का मिलकर बढ़ाइए आकर्षण

विभूति नारायण राय,
पूर्व आईपीएस अधिकारी

पिछले दिनों अखबारों में छपी एक खबर ने बरबस ध्यान अपनी तरफ खींचा। प्रतिवर्ष लगभग 2.25 लाख भारतीय देश छोड़कर बाहर चले जाते हैं और यह पूरी दुनिया में किसी एक देश से प्रवसन या पलायन करने वालों की सबसे बड़ी संख्या है। 2023 में अंतरराष्ट्रीय प्रवसन का अध्ययन करने वाली एक रिपोर्ट के अनुसार, 2021 और 2022 में विकसित देशों की ओर होने वाले पलायन का सबसे बड़ा स्रोत भारत था। यह मिथक ही है कि सिर्फ रोजगार की तलाश में गरीब या मध्यवर्ग के लोग ही देश छोड़कर बाहर गए। बाहर पूंजी लगाने के लिए प्रवसन का अध्ययन करने वाले थिंक टैंक हेनले ऐंड पार्टनर्स के एक अध्ययन के अनुसार, संभावना है कि 2024 में ही 4,300 अरबपति भारत की नागरिकता छोड़ेंगे और यह इस श्रेणी में दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी संख्या होगी। चीन (15,200) इस सूची में सबसे ऊपर है। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि रोजगार के लिए बाहर जाने वालों में से काफी संख्या में लोग लौट आते हैं, पर अरबपति तो जाते ही हैं, अपना भारतीय पासपोर्ट जमा करके। भिन्न देशों की नागरिकता उन्हें लगभग खरीदनी पड़ती है। अर्थात वे वहां एक बड़ी राशि का निवेश या उसका वायदा करते हैं। इस तरह उनके जाने से देश उनके अनुभव के अलावा एक बड़ी धनराशि के निवेश से भी वंचित हो जाता है।

आज जब दावा किया जा रहा है कि भारत विकासशील देशों में सबसे तेज बढ़ती और विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था है, क्योंकर ऐसा है कि हर समर्थ व्यक्ति अगर उसे मौका मिले, तो देश छोड़कर भागने के लिए तैयार बैठा है? विकास के निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति की मजबूरी तो समझ में आती है, जो रोजगार की तलाश में देश के अंदर ही मारा-मारा फिरता है और अपना गांव-दुवार छोड़कर महानगरों में कई बार नारकीय जीवन भी चुन लेता है। यह वह तबका है, जो रूस की सेना में निश्चित मृत्यु का जोखिम उठाकर भी भर्ती हो रहा है या हाल में युद्ध के दहाने पर बैठे इजरायल में इमारती कारीगर बनने चला गया। इजरायल जाने वाले एक मजदूर की मजबूरी इस वाक्य से समझी जा सकती है कि वहां से पैसे भेजकर वह कम से कम अपने बच्चों का पेट तो भर ही सकेगा। इस तरह का गरीब मजदूर अपनी नागरिकता नहीं छोड़ता, बल्कि हर महीने कुछ न कुछ विदेशी मुद्रा भेजकर देश की मदद ही करता है। गए वित्तीय वर्ष में भारतीय नौकरीपेशा लोगों ने बाहर से 107 अरब डॉलर भेजे और हमारे विदेशी मुद्राकोष को बढ़ाने में सहायक हुए।

यहां सवाल उठना स्वाभाविक है कि भारतीय अर्थव्यवस्था से भरपूर लाभ उठाने वाले अरबपतियों में देश छोड़ने की होड़ क्यों लगी हुई है? उनमें से एक छोटा सा तबका तो वह है, जो किन्हीं आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने और कानून की पकड़ से बचने के लिए बाहर भाग जाता है, पर ज्यादातर स्वेच्छा से और कानूनी तरीकों से अपने पासपोर्ट का रंग बदलते हैं। उनकी इस प्रवृत्ति को समझने के लिए हमें दो तथ्य मद्देनजर रखने होंगे। चीन, जिसकी अर्थव्यवस्था भारत से कई गुना बड़ी है और अगले कुछ दशकों में जो अमेरिका को पछाड़कर विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, उसे छोड़कर जाने वाले अरबपति भारत के मुकाबले तीन गुने से अधिक हैं। फिर क्यों वे चीन से छोटी अर्थव्यवस्थाओं को चुन रहे हैं? इस प्रश्न का उत्तर इस तथ्य में छिपा है कि भारतीय और चीनी अरबपति जा कहां रहे हैं? वे उन देशों में जा रहे हैं, जहां पिछली कुछ शताब्दियों में लोकतंत्र फला-फूला है और जिन्होंने नागरिक अधिकारों को इस हद तक वैधानिक सुरक्षा प्रदान की है कि उसके चलते वे दुनिया की दो पुरानी सभ्यताओं- भारत और चीन को पछाड़कर इस सोपान पर दोनों से बहुत ऊपर पहुंच गए हैं। लोकतंत्र उनके जीवन का अंग बन गया है।

मुझे यह देखकर बड़ा दिलचस्प लगता है कि पश्चिम विरोधी दुनिया के दो बड़े दर्शनों- मार्क्सवाद और इस्लाम की छत्रछाया में रहने वालों के मन के भी किसी कोने में किसी भी तरह अमेरिका या यूरोपीय संघ के देशों में बस जाने की इच्छा छिपी रहती है। चीन और इस्लामी मुल्कों में जहां इस पलायन के लिए लोकतंत्र का अभाव जिम्मेदार है, भारत में इसके साथ गवर्नेंस की अनुपस्थिति भी एक बड़ा कारण है। धीरे-धीरे बढ़ रही शहरीकरण की प्रक्रिया में अनुपस्थित शासन साफ दिखता है। दूर न जाकर इस प्रक्रिया में विकसित हो रही सबसे बड़ी शहरी बसावट राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को देखकर ही हम गवर्नेंस का अंदाज लगा सकते हैं। देश की राजधानी दिल्ली में बरसात अब किसी कोमल अनुभूति के साथ नहीं आती, नागरिक इस दौरान दहशत से गुजरते हैं। पिछले कई सालों की तरह इस बार भी आधे दर्जन से अधिक नागरिक जलभराव और इमारतों के गिरने से मरे, सड़कें चलने लायक नहीं रहीं और इस साल भी भ्रष्ट म्यूनिसिपल अधिकारियों की बांछें खिली रहीं। एनसीआर की एक महत्वपूर्ण बसावट नोएडा की सड़कों पर सांड़ और गायें घूमती रहती हैं। दूसरी बड़ी बसावट गुरुग्राम में हल्की बारिश भी नागरिकों को शहर में बाढ़ का मजा चखाती रहती है। एनसीआर की ज्यादातर जगहों पर टूटी सड़कें, बंद नालियां, उखड़े अतिक्रमित फुटपाथ और सड़कों पर घूमते लावारिस पशु आपका स्वागत करेंगे। उस पर तुर्रा यह कि अगले बीस-पच्चीस वर्षों में विकसित होने का सपना देखने वाले देश में स्वास्थ्य और शिक्षा की व्यवस्था निरंतर व्यावसायिक होते जाने से आम नागरिकों की पहुंच से दूर होती जा रही है।

यह एक खुला सच है कि किसी समाज के सभ्य और अपने नागरिकों के बीच लोकप्रिय होने का सबसे बड़ा आधार वहां मौजूद रूल ऑफ लॉ या कानून कायदों को निष्पक्ष ढंग से लागू करने में राज्य की इच्छाशक्ति और सामर्थ्य होता है। हमें बाहर भागने वालों को कोसने के पहले यह भी सोचना होगा कि क्या हम अपने नागरिकों को रूल ऑफ लॉ दे पा रहे हैं? चीन या इस्लामी देशों की स्थिति तो समझी जा सकती है कि सारी समृद्धि के बावजूद लोकतंत्र का अभाव उनके नागरिकों को पश्चिम की तरफ खींचता है, पर भारत में ऐसा क्यों हो रहा है? अवसरों की कमी की वजह से गरीब या मध्यवर्ग का पलायन तो स्वाभाविक लगता है, पर अरबपतियों के देश छोड़ने को समझने के लिए हमें देश में मौजूद नागरिक सुविधाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में आ रही गिरावट या गवर्नेंस की कमी के साथ-साथ निरंतर घट रहे लोकतंत्र पर भी नजरें डालनी पड़ेंगी।

(ये लेखक के विचार हैं)

प्रकृति की चेतावनियों को अनसुना करना ठीक नहीं

डॉ. आशीष वशिष्ठ

प्रकृति का अत्यधिक दोहन और छेड़छाड़ के दुष्परिणाम वायनाड, जोशी मठ और केदारघाटी के तौर पर हमारे समक्ष हैं। प्रकृति बार बार किसी ने किसी घटना या तरीके से पूरी मानव जाति को चेतावनी और संदेश दे रही है, और हम लगातार प्रकृति के संदेशों को अनसुना और अनदेखा कर रहे हैं। 2013 में केदार घाटी में जो सैलाब आया और तबाही हुई अथवा उत्तरकाशी में भूकंप के बाद जो बाढ़ आई, हमने उन्हें ही प्रलय माना। विनाश और बर्बादी का दूसरा नाम प्रलय है। अब केरल के वायनाड जिले में लगातार तीन भू-स्खलन आए और फिर सैलाब आया, गांव के गांव दफ्न हो गए, 400 से अधिक घर देखते ही देखते 'मलबा' हो गए, करीब 387 मौतें हो चुकी हैं और 200 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं, यह प्रलय नहीं है, तो और क्या है?

'स्थावराणां हिमालयः', इस प्रसंग का उल्लेख श्रीमद्भागवत गीता के दसवें अध्याय के 25 वें श्लोक में हुआ है। इसमें 'श्रीकृष्ण' ने कहा है कि 'मैं स्थिर रहने वालों में हिमालय हूं'। सुखमय जीवन के लिए वेदों में हिमालय की आराधना का उल्लेख भी हुआ है। महाकवि कालिदास ने अपने महाकाव्य 'कुमारसंभव' में हिमालय को 'धरती का मानदंड' तथा 'दुनिया की छत व आश्रय' बताया था। अनादिकाल से पहाड़ आध्यात्मिक चेतना की पुण्यभूमि रहे हैं। प्रकृति के प्रबल उपासक रहे कई ऋषि मुनियों की तपोस्थली, भक्ति व अनुसंधान का केंद्र पर्वतराज हिमालय ही रहा है। मगर बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं व अंधाधुंध निर्माण कार्य पहाड़ों की स्थिरता को चुनौती पेश कर रहे हैं।

16 जून 2013 को केदारनाथ धाम के पीछे मौजूद चोराबाड़ी ग्लेशियर के ऊपर बादल फटा। ग्लेशियर में बनी एक पुरानी झील में इतना पानी भर गया कि उसकी दीवार टूट गई। पांच मिनट में पूरी झील खाली हो गई। पानी इतनी तेजी से निकला कि केदारनाथ धाम से लेकर हरिद्वार तक 239 किलोमीटर तक सुनामी जैसी लहरें देखने को मिलीं। चारों तरफ तबाही और बर्बादी।

हजारों लोग मारे गए। हजारों का आज भी पता नहीं चला। नदियों का बढ़ा जलस्तर देख डर लग रहा था। लोगों को बचाने के लिए सेना, एयरफोर्स और नौसेना ने 10 हजार से ज्यादा सैनिक और 50 से ज्यादा हेलीकॉप्टर और विमान लगाए। वायुसेना के विमानों ने 2137 बार उड़ान भरी। 1.10 लाख से ज्यादा लोगों को बचाया गया। साल-दर-साल बीतते चले गए।

हादसे के निशान तो अब भी पहाड़ों की ढलानों पर दिखते हैं। केदारनाथ धाम जाने की दूरी भी बढ़ गई। क्योंकि रामबाड़ा कस्बा पूरी तरह से खत्म हो गया था। नया रास्ता बनाया गया। जो पुराने रास्ते से करीब तीन किलोमीटर ज्यादा है। पहले आप केदारनाथ घाटी के बाएं पहाड़ों पर चलते हुए मंदिर तक जाते थे अब रामबाड़ा से रास्ता दाहिनी ओर कट जाता है।

उत्तराखंड का शहर जोशीमठ धीरे-धीरे जमीन में धंसता जा रहा है। 2023 में जोशीमठ से जुड़े समाचार देश दुनिया में छाये हुए थे। विशेषज्ञों का कहना है कि वर्तमान संकट कई कारणों से उत्पन्न हुआ है, जिनमें वर्षों से चल रहा अनियोजित निर्माण, जलविद्युत परियोजनाएं और उचित जल निकासी व्यवस्था का अभाव शामिल है। 1976 में एक सरकारी रिपोर्ट में जोशीमठ में भारी निर्माण कार्य पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई थी, जिसमें कहा गया था कि मिट्टी की भार वहन क्षमता की जांच के बाद ही इसकी अनुमति दी जानी चाहिए। रिपोर्ट में उचित जल निकासी और सीवेज प्रणाली के निर्माण तथा कटाव को रोकने के लिए कंक्रीट सीमेंट ब्लॉक लगाने का भी सुझाव दिया गया था। लेकिन विशेषज्ञों की हर हिदायत और चेतावनी को अनसुना किया गया।

वायनाड में जो कुछ हुआ, यह कुदरती मार नहीं, मानव-निर्मित घटना है, क्योंकि आदमी अपनी मौज मस्ती और ऐयाशी के लिए पहाड़ों को तोड़ रहा है। पहाड़ों की चोटियों पर भी इमारतें बनाई जा रही हैं। केरल की भौगोलिक स्थिति परंपरागत पहाड़ों से भिन्न है, लेकिन देश भर के 80-85 फीसदी भू-स्खलन केरल में ही आते हैं।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के मुताबिक, 2015 से 2022 तक 3782 भूस्खलन आए। उनमें से करीब 60 फीसदी केरल में ही आए। मौजूदा हालात पर विशेषज्ञों का मानना है कि अरब सागर का तापमान बढ़ने से बेहद घने बादल बने और उसी से केरल में कम समय में बहुत ज्यादा बारिश हुई। वायनाड पहाड़ी जिला है और पश्चिमी घाट का हिस्सा है। यहां 2100 मीटर तक ऊंचे पहाड़ हैं।

विशेषज्ञों की मानें तो, जलवायु-परिवर्तन ने भी बारिश की स्थिति और भूस्खलन की तीव्रता को बढ़ाया है। एक शोध में कहा गया है कि जो वायनाड साल भर बूंदाबांदी और मानसून की बारिश वाला ठंडा, नम वातावरण वाला इलाका होता था, जलवायु-परिवर्तन के कारण अब सूखा, गर्म, लेकिन मानसून के दौरान भारी, तीव्र बारिश वाला क्षेत्र बन गया है। इस बदलाव से भूस्खलन का जोखिम बढ़ा है। 2018 के मानसून में भी खूब बारिश हुई थी, तब करीब 400 लोगों की जान चली गई थी। उसके बाद केरल में भू-स्खलन वाला क्षेत्र बढ़ गया है। इस हादसे, संकट या घटना पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

देश में हर राज्य में, हर क्षेत्र में विकास होना चाहिए, लेकिन ऐसी घटनाओं से सबक भी सीखना चाहिए। विकास-कार्य जापान और ताइवान सरीखे देशों में भी हो रहे हैं। वहां भी पहाड़ काटे जा रहे हैं, लेकिन ऐसे हादसों से बचने के बंदोबस्त भी किए जा रहे हैं। वे दीवार पुश्ता लगाना हो अथवा पेड़-पौधों का रोपण या कुछ और बंदोबस्त करना हो, जापान इसमें अग्रणी रहा है। वहां के पहाड़ों को स्थिर बनाए रखने के लिए विशेष तरह की जालियां तक लगाई गई हैं। देश के उत्तराखंड राज्य में टिहरी बांध में ढलानों की कटाई के बाद बेहतर सुरक्षा उपाय किए गए हैं। ताइवान ने पहाड़ पर दबाव मापी यंत्र लगाकर एक भिन्न प्रयोग किया है। इससे यथासमय पता चल जाता है कि पहाड़ पर कितना दबाव है और वह लोगों को पहाड़ के दरकने को लेकर आगाह कर देता है। हमारे देश में जो निर्माण-कार्य बेलगाम और अनियोजित तरीके से किए जाते हैं। खनन तक धड़ल्ले से कराया जाता है। पहाड़ को काटते-तोड़ते रहेंगे, तो ऐसे 'प्रलय' कैसे रोके जा सकते हैं? इस विषय पर गंभीर चिंतन होना चाहिए।

निस्संदेह, मौजूदा परिस्थितियों में जरूरी है कि विभिन्न राज्यों में ऐसी आपदाओं से बचाव की तैयारी करने और निपटने के लिये तंत्र को बेहतर ढंग से सुसज्जित करने के तौर-तरीकों पर भी युद्धस्तर पर काम किया जाए। इसमें दो राय नहीं कि हाल के वर्षों में देश में आपदा प्रबंधन की दिशा में प्रतिक्रियाशील तंत्र सक्रिय हुआ है और जान-माल की क्षति को कम करने में कुछ सफलता भी मिली है, लेकिन इस दिशा में अभी बहुत कुछ करना बाकी है। इसके साथ ही पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रभाव के बारे में विशेषज्ञों की चेतावनियों पर ध्यान देने की जरूरत है। जिसके लिये राज्य सरकारों की सक्रियता, उद्योगों की जवाबदेही और स्थानीय समुदायों की जागरूकता की जरूरत है।

अपनी आबादी की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने की तुलना में देश कहीं ज्यादा तेजी से प्राकृतिक संसाधनों को खत्म कर रहे हैं। गौरतलब है कि इन देशों में भारत भी शामिल है जो अभी भी अपने देश में रहने वाले लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा है। यह जानकारी हाल ही में यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स द्वारा वर्ष 2021 में किए एक अध्ययन में सामने आई है जोकि जर्नल नेचर सस्टेनेबिलिटी में प्रकाशित हुआ है। वायनाड की त्रासदी का बड़ा सबक यह है कि हमें प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण ढंग से इस्तेमाल के प्रति नये सिरे से प्रतिबद्ध होना होगा। केदारनाथ, जोशीमठ और वायनाड में प्रकृति के रौद्र रूप हम देख और भोग चुके हैं। इसलिए समय रहते प्रकृति की चेतावनियों और संदेशों को समझना होगा, अपितु आने वाले समय में प्रकृति का रौद्रता का आकार विशाल और भयानक हो सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Industrial Training Institute
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना

Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड •GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट •MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE •फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

जन समस्या निवारण शिविर में लोगों की शिकायतों का हो रहा त्वरित निराकरण

दुर्ग। नगर निगम द्वारा क्षेत्रांतर्गत विभिन्न वार्डो में लगाए जा रहे जन समस्या निवारण शिविरों में काफी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।बुधवार को 9 वार्डो के लिए शिविर लगाए गए। इन सभी शिविरों में काफी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं व शिकायतें लेकर पहुंचे। सफाई,राशन कार्ड, आधार कार्ड व आयुष्मान कार्ड से जुड़ी समस्याओं का तत्काल निराकरण किया गया, निगम के महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने शिविर में लगाए गए विभाग द्वारा विभिन्न काउंटरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा तथा आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों के दिए।इस अवसर पर एमआई सी सदस्य संजय कोहले,दीपक साहू, हमीद खोखर, मनदीप सिंह भाटिया,पार्षद प्रकाश जोशी,महेश्वरी ठाकुर, प्रीति गीते, कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम,राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली,प्रकाश गीते,उप अभियंता राजेन्द्र ढबाले आदि मौजूद रहें।इन शिविरों में साफ-सफाई,राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड,आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड से जुड़ी विभिन्न शिकायतों का त्वरित निराकरण किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाईयाँ उपलब्ध कराई गई।नागरिको द्वारा अपनी मांग तथा शिकायतो से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किये गये।नगर निगम क्षेत्र के विवेकानद भवन में वार्ड 41 से 49 तक जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया था। शिविर में 215 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमे 77 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया।शेष बचे 138 आवेदनों को विभागीय अधिकारी को कार्रवाही कर निराकरण के लिए भेजा गया।

'ब्रेस्टफीडिंग जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन

स्तनपान के लाभ व इसके प्रति महिलाओं को जागरुक करना लक्ष्यः डॉ. विनीता

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई।सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के पं. जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र तथा व्यवसायिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र द्वारा 1 से 7 अगस्त 2024 तक 'विश्व ब्रेस्टफीडिंग सप्ताह 2024' मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में भिलाई इस्पात संयंत्र के व्यवसायिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र में एक विशेष 'ब्रेस्टफीडिंग जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन 6 अगस्त 2024 को किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. विनीता द्विवेदी उपस्थित थीं। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) एवं प्रभारी (एनओएचएस) डॉ. आर. राम एवं अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. सम्बिता पंडा विशेष रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम के अपने उद्बोधन में डॉ. विनीता द्विवेदी ने ब्रेस्टफीडिंग के महत्व को बताते हुए इसके तरीकों, सावधानियों, बाधाओं व इनके निराकरण पर सविस्तार चर्चा की। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य स्तनपान के फायदों और इसकी आवश्यकताओं के विषय में लोगों को जागरुक करने के साथ ही, ब्रेस्टफीडिंग को सहज बनाना है। हमें ब्रेस्टफीडिंग की उचित जानकारी होने के साथ-साथ इससे जूड़ी भ्रांतियों से भी बचना है।

इस वर्ष ब्रेस्टफीडिंग को सभी माताओं के लिए आसान बनाना 'विश्व ब्रेस्टफीडिंग सप्ताह' का उद्देश्य है। विदित हो कि वर्ष 2024 के विश्व ब्रेस्टफीडिंग सप्ताह का थीम, श्क्लोजिंग द गैप- ब्रेस्टफीडिंग सपोर्ट फॉर ऑलश् अर्थात अंतर को कम करना- सभी के लिए स्तनपान समर्थन है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार स्तनपान करने से बच्चे, बौद्धिक रूप से मजबूत और स्वास्थ्य मानकों में स्वस्थ रहते हैं तथा स्तनपान कराने से बच्चों में कई बीमारियों का खतरा कम हो जाता है, जैसे दस्त, निमोनिया, अस्थमा, रक्तचाप, मधुमेह और स्तनपान रक्त कैंसर के खतरे से भी सुरक्षा प्रदान करता है।

उल्लेखनीय है कि ब्रेस्टफीडिंग के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने की सामाजिक आवश्यकता है। जिसके लिए भिलाई इस्पात संयंत्र का जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र हमेशा से समर्पित एवं प्रतिबद्ध रहा है। कार्यक्रम में सीनियर कंसल्टेंट (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. माला चैधरी एवं सीनियर कंसल्टेंट (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. सीमा वर्मा द्वारा ब्रेस्टफीडिंग की बारीकियों को प्रस्तुतिकरण द्वारा विस्तार से समझाया गया तथा उपस्थित महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए ब्रेस्टफीडिंग के विषय पर प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गयी। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) एवं प्रभारी डॉ. आर. राम ने प्रस्तुत किया एवं सहायक महाप्रबंधक शुभश्री प्रशांत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन हेल्थ एजुकेटर श्रीमती इन्द्रजीत कौर ने किया। कार्यक्रम में मेडिकल ऑफिसर डॉ. एस. के. ठाकुर, डॉ. ए. एल. बेन्जेमिन, एडीएमओ डॉ. उषा श्रीवास्तव समेत एनओएचएस विभाग के अन्य अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित थे।

फील परमार्थ फाउंडेशन में बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य का हुआ भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के तत्वाधान में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग के सहयोग से फील परमार्थ फाउंडेशन, सेक्टर-3 में किए जा रहे बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य का 06 अगस्त 2024 को भूमिपूजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भिलाई इस्पात संयंत्र के पूर्व कार्यपालक निदेशक (रावघाट) समीर स्वरूप, महाप्रबंधक (सीएसआर) शिवराजन, ग्रामीण यांत्रिकी सेवाएं, दुर्ग के सदस्य, वरिष्ठ प्रबंधक (सीएसआर) सुशील कामड़े, उप प्रबंधक (सीएसआर) श्री कमलकांत वर्मा सहित संस्था के हितग्राही सदस्यगण उपस्थित थे।

इस्पात नगरी के मध्य सेक्टर-3 में स्थित फील परमार्थ फाउंडेशन भी एक समाजसेवी संगठन है जो दुर्ग जिले में लावारिश और भीख मांगने वाले बेसहारा लोगों के लिए कार्य करती है। यह संगठन भी लोगों के सहयोग हेतु कार्य कर रही है। इस संगठन में लगभग 40 से 50 बेसहारा लोगों को शरण दी जाती है और इनका उपचार भी कराया जाता है। स्वस्थ होने के बाद ऐसे लोगों को उनके परिजनों तक पहुंचा दिया जाता है या फिर जिनका कोई नही होता उनको फील परमार्थ फाउंडेशन सहारा देता है। इनके भवन की बाउंड्री वॉल जगह-जगह से खराब हो गई थी और ऊंचाई में कम थी जिसके कारण इन्हें लोगों को रखने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। इसके लिए इन्होंने भिलाई इस्पात संयंत्र से सहयोग की अपेक्षा की। इस आधार पर संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा इनके भवन की बाउंड्री वॉल के लिए राशि का प्रावधान किया गया है। इस कार्य को ग्रामीण यांत्रिकी सेवाएं, दुर्ग के माध्यम से किया जाएगा। संयंत्र अपने कई सार्थक पहलों के माध्यम से लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने का प्रयास कर रही है। इन्हीं पहलों के तहत दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरणों का वितरण किया जाता है, मिशन लक्ष्मी के माध्यम से महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण, गिफ्ट मिल्क स्कीम के माध्यम से बच्चों को पौष्टिक दुध का वितरण किया जाता है।

भिलाई इस्पात संयंत्र अपने उत्पादन प्रक्रिया में नए प्रणालियों का समावेश करने के साथ-साथ क्षेत्र के विकास में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इसके अतिरिक्त भिलाई इस्पात संयंत्र, रावघाट खदान क्षेत्र तथा सुदूर अंतः क्षेत्रों में भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने तथा उनके विकास हेतु समग्र प्रयास कर रही है।

कृषि विज्ञान केन्द्र पाहंदा (अ) के भ्रमण अंतर्गत

डीएवी स्कूल हुडको भिलाई के बच्चों ने खेती की वैज्ञानिक विधियों को जाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कृषि विज्ञान केन्द्र, पाहंदा (अ) दुर्ग में डी.ए.वी. स्कूल भिलाई के कक्षा 11वीं एवं 12वीं के बच्चों ने भ्रमण किया। जिसमें बच्चों ने वैज्ञानिक विधि से खेती करने की विभिन्न तरीकों को जाना। कृषि विज्ञान केन्द्र की मृदा वैज्ञानिक डॉ. ललिता रामटेके ने मृदा विज्ञान के बारे में समझाते हुए कहा कि मिट्टी की एक परत को बनने में हजारों साल का समय लग जाता है। इसलिए मिट्टी को प्रदूषण से बचाएं एवं संतुलित मात्रा में ही उर्वरक डाले। साथ ही साथ उन्होंने मृदा में पाये जाने वाले पोषक तत्वों के बारे में बताया और मृदा परीक्षण प्रयोगशाला का भ्रमण कराया। डॉ. कमल नारायण (उद्यानिकी) ने प्रो ट्रे नर्सरी, गुटी विधि, आम में ग्राफ्टिंग की विधि के बारे में छात्र-छात्राओं को विस्तारपूर्वक समझाया। इस दौरान बच्चों ने यह जाना कि बिना बीज के नये पौधों को कैसे तैयार करते है। भ्रमण के दौरान बच्चों ने टिकाऊ खेती, जैविक खेती, समन्वित कृषि पद्धति के साथ-साथ खेती में उच्च गुणवत्ता युक्त फसल कैसे तैयार कर सकते है के बारे में जानकारी ली। कृषि विज्ञान केन्द्र की प्रक्षेत्र प्रबंधक श्रीमती सृष्टि तिवारी ने मौसम के अनुरूप फसलों के प्रबंधन के बारे में जानकारी साझा की।

पीएम आवास योजना की लॉटरी 13 अगस्त को

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एएचपी किफायती आवास मोर आस-मोर मकान का आबंटन लॉटरी पद्वति से किया जाना है। भिलाई निगम क्षेत्र में किराये पर निवासरत या जिनके पास स्वयं का मकान नहीं है, उनके लिए आवास पाने का यह सुनहरा अवसर है। नागरिको से पूर्व में आवास आबंटन हेतु आवेदन जमा कराया गया है। जिसमे पात्र हितग्राही है, उन्हे ही मकान आबंटन किया जाना है।

निगम भिलाई क्षेत्र में सूर्या बिहार के पीछे खम्हरिया (1120/616), एनार स्टेट (476/630), माईल स्टोन स्कूल के पास (896/546), कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज के पीछे खम्हरिया (335/338) तथा स्वप्निल बिल्डर्स कुरूद (444) में आवास निर्मित किया गया है। जिसका आबंटन 10 प्रतिशत अंशदान की राशि जमा किया गया है, उन्हे यह मकान आबंटन किया जायेगा। आवास का आबंटन नगर निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय परिसर में 13 अगस्त समय 11:00 बजे से किया जायेगा। हितग्राही लॉटरी में भाग लेकर आवास आबंटन का लाभ ले सकते है।

हितग्राहियो की सुविधा के लिए लोन प्रदान करने वाले बैंक के काउंटर भी लगेगे। जिसमें चयनित हितग्राही जिनका लॉटरी में मकान निकल जायेगा। वे अपनी सुविधा के अनुसार बैंको से लोन प्राप्त कर सकते है। लोन की सुविधा उनके इच्छा के उपर रहेगी। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने सभी हितग्राहियो से अपील की है, कि जिस हितग्राही द्वारा 10 प्रतिशत अंशदान की राशि जमा की गई है। वें नागरिक निगम कार्यालय में सुबह समय पर उपस्थित हो जाये। उनको 10 प्रतिशत अंशदान राशि की रसीद एवं जमा किये गये दस्तावेज साथ जरूर लाये। जिससे लॉटरी के माध्यम से आपको आवास का आबंटन किया जा सके।

चेम्बर के अभियान आभार दिल से व्यापारियों में खुशी

चेंबर के पदाधिकारी बाजारों में पहुंचकर व्यापारियों की समस्याओं का कर रहे निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई।छग चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज भिलाई इकाई द्वारा चलाया जा रहा अभियान सभी व्यापारियों के सम्मान में इजाफा कर रहा है। हर व्यापारी इस बात को लेकर प्रसन्न है कि चेम्बर लगातार व्यापरियों के हित मे काम भी कर रहा है और व्यापरियों से मिलकर आभार भी कर रहा है।

चेम्बर का अभियान आभार दिल से आज नेहरू नगर,स्मृति नगर और मॉल रोड में महामंत्री अजय भसीन के नेतृत्व में एक एक व्यापारियों से मिलकर आभार व्यक्त किया गया। इस अभियान में व्यापरियों को चेम्बर के कार्यों की जानकारी दी गई। चेम्बर द्वारा इस कार्यकाल मे कोविड के समय राशन वितरण, कर्मकार सम्मेलन, जी एस टी पर सेमिनार,व्यापरियों के लिए लोन मेला और भी कई हितकारी कार्यक्रम किये गए जिसका लाभ व्यापरियों को मिला है। नेहरू नगर के व्यापारी रॉकी अग्रवाल एवम हेमंत अरोरा ने आभार यात्रा का अभिनंदन किया। अग्रवाल जी ने कहा कि चेम्बर के कार्यों की प्रशंसा की महामंत्री अजय भसीन का व्यापरियों के प्रति समर्पण प्रशंसनीय है,उन्होंने कहा कि चेम्बर के इतिहास में पहले महामंत्री है जो भिलाई से प्रतिदिन रायपुर जाकर चेम्बर के कार्यो को बेहतर अंजाम दे रहे है।

महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि मेरी ऊर्जा मेरा अभिमान आप सभी व्यापारी है।आप सभी के समर्थन से ही मुझे चेम्बर में सेवा का अवसर मिला है मैं आप सभी का दिल से आभार करता हु। इस अभियान में सभी व्यापरियों ने भसीन जी का अभिनंदन व स्वागत किया। आज चेम्बर का दल स्मृति नगर ,नेहरू नगर व मॉल रोड में आभार यात्रा पूर्ण की। इस अभियान में हेमंत अरोरा,सुनील मिश्रा,प्रेम गहलोत,मनोहर कृष्णानी,विनय सिंह व अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। यह सूचना माध्यम से सूचना शंकर सचदेव ने दी।

दुर्ग जिले में आगनबाड़ी सहायिका के पदों पर भर्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-01 अंतर्गत आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती की जानी है। नियुक्ति हेतु आवेदन 23 अगस्त 2024 तक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय भिलाई-01 (जुनवानी चिखली मुख्य मार्ग जुनवानी भिलाई) में सीधे अथवा पंजीकृत डाक से कार्यालयीन समय सुबह 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक (शासकीय अवकाश को छोड़कर) जमा किया जा सकता है। आंगनबाड़ी केन्द्र राजीव गांधी नगर-2 नगर पालिक निगम भिलाई वार्ड क्रमांक 19 के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद की भर्ती की जानी है।

परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-01 से मिली जानकारी अनुसार आवेदन किये जाने हेतु शासन द्वारा निर्धारित आवश्यक गाईडलाईन के तहत आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आयु की गणना आवेदन आमंत्रित करने की सूचना जारी होने की तिथि से की जाएगी। सेवा की अधिकतम आयु सीमा 65 वर्ष होगी। (एक वर्ष या अधिक सेवा का अनुभव रखने वाली कार्यकर्ता/सहायिका/सह-सहायिका/संगठिका को आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी)। आवेदिका उसी वार्ड की स्थायी निवासी होनी चाहिए जिस वार्ड में आंगनबाड़ी केन्द्र स्थित है। निवासी होने के प्रमाण में नगरीय क्षेत्र में संबंधित वार्ड की अद्यतन मतदाता सूची में नाम दर्ज हो तो आवेदन पत्र में उसके क्रमांक का उल्लेख कर प्रतिलिपि लगाई जाए अथवा ग्राम पंचायत के सरपंच तथा सचिव द्वारा संयुक्त हस्ताक्षरित अथवा पटवारी तथा नगरीय निकायों में वार्ड पार्षद तथा पटवारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र जिसमें वार्ड एवं ग्राम में निवासरत् रहने का पता सहित स्पष्ट उल्लेख हो, मान्य किया जाएगा।

आवेदिका की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु 8वीं उत्तीर्ण होनी चाहिए। अनुभवी कार्यकर्ता/सहायिका/सह-सहायिका होने पर, गरीबी रेखा परिवार, अनुसूचित जाति, जनजाति परिवार की महिला होने पर तथा विधवा, परित्यक्ता अथवा तलाकशुदा महिला होने पर एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति विभाग द्वारा संचालित कन्या आश्रम में आठवी तक अध्यन करने पर अतिरिक्त अंक दिये जाएंगे। आयु की गणना आवेदन आमंत्रित करने की सूचना जारी होने की तिथि से की जाएगी। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति हेतु सक्षम अधिकारी द्वारा जारी की गई स्थायी जाति प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। यदि किसी उम्मीद्वार द्वारा अस्थायी जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाता है तो उसकी वैधता अवधि समाप्त न हुई हो साथ ही उसे शपथ पत्र देना होगा कि छह माह में स्थायी जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे अन्यथा जाति संबंधी अंक निरस्त माना जाएगा।

ऐसी कार्यकर्ता/सहायिका जिन्हें अनिमितता के कारण पूर्व में सेवा से बर्खास्त किया गया है। ऐसे आवेदक द्वारा प्राप्त आवेदन अमान्य किये जा सकेंगे। यदि आवेदिका गरीबी रेखा (प्रभावशाली सूची से) नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार से हो तो सक्षम अधिकारी द्वारा जारी गरीबी रेखा प्रमाण पत्र जिसमें गरीबी रेखा का क्रमांक एवं वर्ष का स्पष्ट उल्लेख हो संलग्न करना होगा तथा गरीबी रेखा सर्वे सूची संलग्न करना होगा। जन्म तिथि के प्रमाण हेतु 8वीं अथवा 10वीं की अंकसूची संलग्न करना होगा।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज द्वारा प्रथम बार बैण्डबाजे के साथ निकली कांवड़ यात्रा

रायपुर। कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज द्वारा कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। इसमें समाज की महिला व पुरुष वर्ग सभी की भरपूर उपस्थिति रही। बैण्ड बाजे के साथ आशीर्वाद भवन से प्रारंभ कांवड़ यात्रा में लगभग 70-75 लोग शामिल हुए। 7 कुण्डों (नदियों) से लाये गए जल की पूजा, शंकर जी की पूजा कर बोल बम, हर हर महादेव के नारे लगाते कावडियों ने बूढ़ेश्वर मंदिर पहुंचकर शिवलिंग पर जल चढ़ाकर पूजा अर्चना की। महिला मंडल द्वारा आरती एवं भजन की प्रस्तुति मनमोहक रही। बोल बम, हर हर महादेव के नारे लगाते कावडियां जहाँ-जहाँ से गुजरे सभी का ध्यान आकर्षित करते रहें। बूढ़ेश्वर मंदिर में जलाभिषेक पश्चात् आशीर्वाद भवन, पहुँचकर सभी भक्तों ने भोजन, प्रसादी प्राप्त की। पूरे कार्यक्रम में सभी का सहयोग सराहनीय रहा।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर स्कूलों में होंगे कार्यक्रम

रायपुर। राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, छत्तीसगढ़ ने सभी स्कूलों में 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के उपलक्ष्य में विशेष गतिविधियों के आयोजन हेतु निर्देश जारी किए हैं। चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के उपलक्ष्य में हर साल 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया जाएगा, जिसका उद्देश्य युवाओं में विज्ञान और अंतरिक्ष के प्रति रुचि उत्पन्न करना है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2024 के लिए थीम ''चंद्रमा को छूते हुए जीवन को छूना: भारत के अंतरिक्ष गाथा'' है।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर स्कूलों में होने वाले मुख्य गतिविधियों में एनसीईआरटी द्वारा विकसित विशेष 'चंद्रयान पर आधारित मॉड्यूल' प्रदर्शित करते हुए 22 और 23 अगस्त को 'चंद्रयान मॉड्यूल पर व्याख्यान' का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर अंतरिक्ष से संबंधित विभिन्न विषयों पर पोस्टर और निबंध, मॉडल बिल्डिंग, क्विज एवं पेटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। साथ ही अंतरिक्ष विज्ञान संबंधित 30 मिनट का एक वीडियो स्कूलों में प्रदर्शित किया जाएगा।

संभागस्तरीय बैठक में संभागायुक्त श्री कावरे ने दिए निर्देश, शासकीय कामकाज की समीक्षा की

नही चलेगी लेट-लतीफी, कार्यालयों में निर्धारित समय पर उपस्थिति हो-संभागायुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासकीय कार्यालयों में निर्धारित समय पर अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति को लेकर रायपुर संभागायुक्त ने कड़ा रूख दिखाया है। आज संभागायुक्त कार्यालय में हुई समीक्षा बैठक में श्री कावरे ने सख्त निर्देश दिए की निर्धारित समय पर कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति कार्यालय प्रमुख की जिम्मेदारी होगी। निर्धारित समय पर कार्यालय नही आने वाले अधिकारी-कर्मचारी के कारण आमजनों के काम प्रभावित होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसे कर्मचारियों के विरूद्ध शासकीय नियमो के अनुसार निलंबन तक की कार्रवाई कार्यालय प्रमुख कर सकेंगे। श्री कावरे ने

यथासंभव कार्यालयों में बायोमेट्रिक अटेंडेस सिस्टम लगाने की पहल करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। संभागायुक्त ने रायपुर संभाग के सभी पांच जिलों में चल रहे विकास कार्यों की अद्यतन जानकारी उपस्थित अधिकारियों से ली। बैठक में कृषि, लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग, सेतु विकास निगम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, सहकारिता विभाग, समाज कल्याण विभाग के संभाग स्तरीय अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में संभागायुक्त ने अधिकारियों को लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत शामिल सभी जन सेवाओं को निर्धारित समय सीमा में हितग्राहियों को उपलब्ध कराने निर्देश दिए। उन्होंने लोक सेवा गारंटी अधिनियम की सेवाओं से संबंधित जानकारी बोर्ड लगाकर कार्यालयों में प्रदर्शित करने के निर्देश भी दिए। श्री कावरे ने बैठक में यह भी कहा कि लोक सेवा गारंटी के सेवाओं का ऑनलाईन रिकॉर्ड रखने के साथ-साथ सप्ताहवार प्रिंट आउट लेकर पंजी संधारण भी करें। उन्होंने सभी संभाग स्तरीय अधिकारियों से अपने-अपने कार्यालयों में लंबित अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों के भी जल्द से जल्द निपटाने के निर्देश दिए। श्री कावरे ने संभाग मे चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों में तेजी लाते हुए निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश भी दिए।

खेती-किसानी के लिए ग्रामीणों को ना हो कोई तकलीफ पहले से रहें इंतजाम- बैठक में श्री कावरे ने चालू खरीफ मौसम के संदर्भ में खेती-किसानी के लिए खाद-बीज-दवा, उद्यानिकी फसलों के बीज, दवा आदि की उपलब्धता और वितरण की भी जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने निर्देशित किया कि किसी भी स्थिति में किसानों को बीज-खाद-दवा आदि वस्तुओं की कमी ना हो। खेती-किसानी, पशुपालन आदि से जुड़ी आदान सामग्रियों का पहले से ही पर्याप्त मात्रा में भण्डारण सुनिश्चित कर लिया जाए। संभागायुक्त ने इन सामग्रियों की किसानों को उपलब्धता भी सरलता और सुगमता से सुनिश्चित कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। श्री कावरे ने किसानों को आसानी से कृषि ऋण उपलब्ध कराने के लिए भी व्यापक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश सहकारिता विभाग के अधिकारियों को दिए। ज्यादा से ज्यादा किसानो को मिलें शासकीय योजनाओं और नई तकनीकों की जानकारी- संभागायुक्त श्री कावरे ने बैठक में कृषि और उससे जुड़े विभागों की शासकीय योजनाओं का विस्तार अधिकारियों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं की पूरी जानकारी ग्रामीण विस्तार अधिकारियों को रहे ताकि वे ग्रामीणों को संतुष्टि के स्तर तक योजनाओं की समझाइस दे सकें।

छत्तीसगढ़ में बनेगा देश का तीसरा बड़ा टाइगर रिजर्व

गुरु घासीदास-तमोर पिंगला को टाइगर रिजर्व के रूप में किया अधिसूचित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ का गुरुघासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व देश का तीसरा बड़ा टाइगर रिजर्व होगा। छत्तीसगढ़ सरकार ने गुरुघासीदास - तमोर पिंगला को टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित कर लिया है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में टाइगर रिजर्व की संख्या चार हो गई है।

गुरु घासीदास नेशनल पार्क को साल 2021 में टाइगर रिजर्व बनाया गया था, लेकिन इसे विरोध के कारण अस्तित्व में नहीं लाया जा सका था। इस क्षेत्र में कई खदानें होने कारण नेशनल पार्क को टाइगर रिजर्व घोषित करने का नोटिफिकेशन कांग्रेस शासन काल में रुका हुआ था। छत्तीसगढ़ की पूर्ववर्ती बीजेपी सरकार ने ही गुरु घासीदास नेशनल पार्क और तमोर पिंगला सेंचुरी को मिलाकर टाइगर रिजर्व बनाने का ड्राफ्ट राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) को भेजा था। जिसके बाद एनटीसीए ने गुरु घासीदास नेशनल पार्क को टाइगर रिजर्व के रूप में मंजूरी दी। लेकिन कांग्रेस शासन में रिजर्व एरिया के कोल ब्लॉक, आइल ब्लॉक और मिथेन गैस ब्लॉक होने के कारण मामला अटक गया था। अब जब राज्य में पुन: भाजपा सरकार की वापसी हुई तो टाइगर रिजर्व बनने का रास्ता साफ हो गया।

छत्तीसगढ़ सरकार की मंत्रिपरिषद की बैठक में गुरुघासीदास - तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व गठित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है एवं इसे टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित कर लिया है।

इस टाइगर रिज़र्व के गठन से बाघों की संख्या में वृद्धि की उम्मीद है, क्योंकि यह क्षेत्र उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करेगा। मौजूदा आंकड़ों के आधार पर, बाघों की संख्या में सुधार के लिए यह कदम आवश्यक था। नया टाइगर रिज़र्व बाघों के प्राकृतिक आवास को संरक्षित करेगा और उनकी सुरक्षा को बढ़ावा देगा।

टाइगर रिज़र्व के गठन से ईको-पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। गाईड, पर्यटक वाहन संचालन, और रिसॉर्ट्स के संचालन के साथ-साथ अन्य पर्यटन संबंधित सेवाओं से स्थानीय लोगों को आर्थिक लाभ होगा। राष्ट्रीय प्रोजेक्ट टाइगर ऑथोरिटी से अतिरिक्त बजट प्राप्त होगा, जो क्षेत्र के विकास और आजीविका सुधार के लिए उपयोगी होगा। गुरुघासीदास - तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व 2829.387 वर्ग किमी क्षेत्रफल में फैला देश का तीसरा बड़ा टाइगर रिजर्व होगा। आंध्रप्रदेश का नागार्जुनसागर श्रीसैलम टाइगर रिजर्व 3296.31 वर्ग किमी के साथ देश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है। वहीं, असम का मानस टाइगर रिजर्व 2837.1 वर्ग किमी क्षेत्रफल के साथ देश दूसरा बड़ा टाइगर रिजर्व माना जाता है।

श्रमिक के बच्चे को अब मिल सकेगा स्कॉलरशिप

एक फोन पर हुआ समस्या का समाधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में अब एक फोन पर समस्या का समाधान मिल रहा है। रायपुर के वार्ड क्रमांक 54 बोरियाखुर्द निवासी रूपराम साहू की पुत्री तेजस्वी साहू जो कि संजय नगर स्थित शासकीय स्कूल में अध्ययनरत है। श्री साहू छत्तीसगढ़ भवन एवं संनिर्माण कर्मकार मंडल में पंजीकृत श्रमिक हैं। कर्मकार मंडल से ऐसे लोगों के अध्ययनरत बच्चों को छात्रवृति दी जाती है। इसके आवेदन के लिए छात्र एवं छात्राओं को जहां वे अध्ययनरत हैं।

वहां के प्राचार्य से आवेदन में हस्ताक्षर करवाना पड़ता है, लेकिन संजय नगर शासकीय स्कूल के प्राचार्य द्वारा ऐसा नहीं जा रहा था। जिसके बाद श्री साहू ने जिला प्रशासन के जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर में किया। जिसके बाद संबंधित विभाग ने स्कूल प्रबंधन से इसकी जानकारी ली। स्कूल प्रबंधन ने आवेदन फार्म पर हस्ताक्षर कर दिया। समस्या का निराकरण होने के बाद शिकायतकर्ता रूपराम साहू ने संतुष्टी जताई और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

सर्पदंश से मृत्यु के दो प्रकरणों में 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता मंजूर

रायपुर। आरबीसी 6-4 के तहत स्वर्गीय सुरेश और स्वर्गीय कमले वर्मा के परिजनों को 4- 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता मंजूर की गई है। उल्लेखनीय है कि कन्हेरा निवासी सुरेश और खरोरा निवासी कमलेश वर्मा की मौत सांप काटने की वजह से हुई थी। इस प्रकरण में तिल्दा तहसील कार्यालय में परिजनों ने आवेदन किया। आरसीबी 6-4 के तहत प्रक्रिया पूर्ण करते हुए कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने 4- 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

स्कूल में एनसीसी एयरविंग शुरू करने होंगे प्रयास

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की पहल पर पूरे प्रदेश में से शुरू हुए मेगा पालक शिक्षक बैठक अभियान के तहत जिले के सारागांव स्कूल में विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा और रायपुर संभाग आयुक्त महादेव कावरे शामिल हुए। बैठक में सारागांव सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के पालक भी मौजूद रहे। इस बैठक में शाला के हर एक विद्यार्थी की पूरी रिपोर्ट शिक्षकों ने उनके पालकों को दी। बैठक में विद्यार्थियों की पढ़ाई-लिखाई से लेकर उनके व्यक्तित्व विकास समय प्रबंधन, आत्मविश्वास बढ़ाने से लेकर शासकीय योजनाओं से लाभ लेने तक के विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक को संबोधित करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी बड़े सपने बुने और उन्हें साकार करने के लिए अभी से कड़ी मेहनत करना शुरू कर दें। श्री शर्मा ने कहा कि प्राइवेट स्कूलों की तर्ज पर अब सरकारी स्कूलों में भी पैरेंट्स-टीचर्स मीटिंग शुरू हो गई है। अब हर विद्यार्थी की पूरी रिपोर्ट उसके पालकों को दी जाएगी। इससे विद्यार्थियों में पढ़ाई के प्रति गंभीरता बढ़ने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व विकास पर भी सकारात्मक प्रभाव होगा। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़कर भी आईएएस, आईपीएस अधिकारी, अच्छे राजनीतिज्ञ और अन्य दूसरे क्षेत्रों में भी भविष्य बनाया जा सकता है। सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ने और आत्मविश्वास के साथ मेहनत करने की जरूरत है। विधायक श्री शर्मा ने इस अवसर पर स्कूल में एनसीसी की एयरविंग शुरू करने के लिए जरूरी प्रयास करने का भरोसा भी दिलाया। उन्होंने कक्षा 10 वीं में सारागांव स्कूल के विद्यार्थी ऋषभ देवांगन के प्रावीण्य सूची में नौंवा स्थान प्राप्त करने पर 10 हजार रूपए का पुरस्कार देने की भी घोषणा की। इस अवसर पर शाला विकास समिति के अध्यक्ष दीपक वर्मा, विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र विश्वकर्मा, सारागांव ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती पुन्नी देवांगन सहित स्कूल के शिक्षक, स्थानीय जनप्रतिनिधि भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

सारागांव शासकीय स्कूल में आयोजित संकुल स्तरीय पालक शिक्षक बैठक में संभागायुक्त महादेव कावरे ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्राइवेट स्कूलों के ही नहीं, बल्कि सरकारी स्कूलों और आश्रम-शालाओं में रहकर पढ़ने वाले वनांचलों के विद्यार्थी भी आईएएस, आईपीएस जैसे बड़े अधिकारी बन सकते हैं। बच्चों से बात करते हुए संभागायुक्त श्री कावरे ने अपने बचपन की कई घटनाएं और पढ़ाई से जुड़े अनुभव भी साझा किए उन्होंने बताया कि बीजापुर जैसे दूरस्थ वनांचल में रहकर सरकारी स्कूल में पढ़कर भी वे आज आईएएस अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले ऐसी पालक-शिक्षक बैठकें नहीं होती थीं। शिक्षकों की पूरी जिम्मेदारी विद्यार्थियों को पढ़ाने की थी और शिक्षक विद्यार्थियों को अपने तरीको से पढ़ाते थे। श्री कावरे ने सभी विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर खूब मेहनत करने की समझाईश दी। उन्होंने शिक्षा के विकास और विस्तार के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों और कार्यक्रमों-योजनाओं की जानकारी भी पालकों को दी। श्री कावरे ने शासकीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील विद्यार्थी और पालकों से की। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विधायक अनुज शर्मा और संभागायुक्त महादेव कावरे ने सारागांव शासकीय स्कूल परिसर में पौधरोपण भी किया। श्री शर्मा ने स्कूल की छात्रा कुमारी नफीसा को स्कूल के लिए अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया। उन्होंने नफीसा के नेतृत्व में सभी विद्यार्थियों को स्कूल परिसर में लगाए गए पौधों की देखभाल करने, उन्हें खाद पानी देकर बड़ा वृक्ष बनाने की जिम्मेदारी भी सौंपी।

संभागायुक्त व कलेक्टर की मौजुदगी में मरीजों के हित में कई विषयों पर हुई चर्चा

मरीजों को मिलेंगी एसी कमरों की सुविधा, पोस्टमार्टम व्यवस्था भी सुधरेगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। संभागायुक्त महादेव कावरे की अध्यक्षता और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की मौजूदगी में पंडित जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय और डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय मेकाहारा की स्वशासी प्रबंध कार्यकारिणी समिति की बैठक हुई। इस बैठक में मरीजों के हित में कई विषयों पर सकारात्मक चर्चा की गई।

बैठक में मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पेईंग वार्ड के रूप में मरीजों को एसी कमरों की सुविधा देने के लिए कक्षों के नवीनीकरण और 26 नए एसी लगाने का निर्णय लिया गया। मरीजों को यह एसी युक्त कमरे एक हजार रूपये प्रतिदिन के रियायती दर पर मिल सकेंगे। अस्पताल में सामान्य कमरों का किराया पांच सौ रूपये प्रतिदिन रखने की अनुशंसा भी समिति द्वारा बैठक में की गई। इस बैठक में चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल के वित्तीय वर्ष 2024-25 के प्रस्तावित बजट प्रावधानों पर भी चर्चा की गई। बैठक में स्वशासी समिति की मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता डॉ तृप्ति नागरिया, अंबेडकर अस्पताल के अधीक्षक एवं संयुक्त संचालक डॉ. एसबीएस नेताम सहित सभी विभागों के विभागाध्यक्ष डॉक्टर, अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

मेकाहारा में सोलह नए डॉक्टरों की नियुक्ति, सुधरेगी पोस्टमार्टम व्यवस्था- बैठक में कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने मेकाहारा में सोलह नए डॉक्टरों की नियुक्ति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य शासन द्वारा विशेष मांग पर मेकाहारा में नए डॉक्टरों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने अस्पताल अधीक्षक को निर्देशित किया कि पोस्टमार्टम व्यवस्था सुधारने में इन सभी डॉक्टरों की मदद ली जाए। कलेक्टर ने अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों से उचित और नैतिक व्यवहार करने को भी कहा। उन्होंने मरीजों के ईलाज के लिए हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन अधिकारियों को दिया।

बैठक में चिकित्सा महाविद्यालय के एनाटॉमी विभाग में मृत्यु के बाद शरीर दान और मृत शरीर में एम्बाल्मिंग करने वाले कर्मचारी को निश्चित मानदेय देने पर भी सहमति बनी। इसके साथ ही चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में मरीजों के ईलाज में सहायता और अन्य प्रशासकीय कामों के लिए इंटरनेट की एक अन्य लीज लाईन सुविधा लेने पर भी सहमति हुई। बैठक में मेकाहारा अस्पताल में डायलिसिस टेक्निशियन, ड्रेसर, इलेक्ट्रीशियन, लैब असिस्टेंट, फार्मासिस्ट, ऑपरेशन थियेटर टेक्निशियन जैसे तकनीकी पदों पर नियम अनुसार योग्य लोगों की सेवाएं लेने पर भी सहमति व्यक्त की गई।

वार्डों में पहुंच भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से भी की चर्चा

संभागायुक्त महादेव कावरे ने रायपुर के पंडरी स्थित जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने चिकित्सालय में पदस्थ रेडियोग्राफर, डेटा एंट्री ऑपरेटर, वाहन चालक, ऑक्सीजन ऑपरेटर, प्रयोगशाला सहायक, वार्डबॉय, लॉड्री मशीन ऑपरेटर, सफाईकर्मी सहित 21 कर्मचारियों की निर्धारित समय पर कार्य से अनुपस्थिति पर सभी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश अस्पताल के सिविल सर्जन को दिए।

श्री कावरे ने डॉक्टरों को निर्धारित समय पर उपस्थित होकर मरीजों का ईलाज करने और कर्मचारियों को भी निर्धारित समय पर उपस्थित होकर अपना-अपना काम करने की समझाईश दी। श्री कावरे जिला अस्पताल के आपातकालीन विभाग, सर्जिकल वार्ड, शिशु वार्ड, महिला वार्ड, पोषण पुनर्वास

केन्द्र सहित अन्य वार्डों में भी पहुंचे और यहां भर्ती होकर ईलाज करा रहे मरीजों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। संभागायुक्त ने उपस्थित डॉक्टरों से मरीजों का बेहतर से बेहतर ईलाज करने के निर्देश दिए। श्री कावरे ने चिकित्सकों को अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी भी ली। उन्होंने अस्पताल में साफ-सफाई, नियुक्त डॉक्टरों की प्रोफाईल, उपलब्ध दवाओं आदि की भी जानकारी ली।

अपने निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त ने वार्ड में भर्ती मरीजों के परिजनों से भी चर्चा की। उन्होंने अस्पताल में हो रहे ईलाज और सुविधाओं के बारे में पूछा। श्री कावरे ने ज्यादा दिनों के ईलाज के लिए भर्ती मरीजों के परिजनों को अस्पताल परिसर में वाहन पार्किंग की व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश सिविल सर्जन को दिए। संभागायुक्त ने अस्पताल के शौचालयों में चौबीस घंटे साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने, मरीजों के पलंगों की चादर प्रतिदिन बदलने के साथ वार्डों में भी साफ-सफाई की उचित व्यवस्था रखने के निर्देश दिए।

मल्लिका शेरावत ने दिखाया अपने लॉस एंजिल्स वाले शानदार घर का नजारा

बॉलीवुड में अपने ग्लैमर से खास सुर्खियां बटोरने वालीं एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत अब लॉस एंजिल्स में रहती हैं। मल्लिका अक्सर इंस्टाग्राम पर अपने शानदार और आलीशान घर की झलकियां शेयर किया करती हैं। एक्ट्रेस हाल ही में पेरिस से छुट्टियां मनाकर वापस घर लौटी हैं और वीडियो शेयर कर उन्होंने बताया है कि घर लौटकर उन्हें कितना सुकून मिल रहा है।

मल्लिका शेरावत पेरिस से घूमकर लॉस एंजिल्स वापस आ गई हैं और बहुत अच्छा महसूस कर रही हैं। 'मर्डर' (2004) जैसी फिल्मों में अपनी हद ग्लैमरस भूमिका के लिए फेमस रहीं मल्लिका पिछले कुछ समय से अमेरिका में रह रही हैं और हाल ही में पेरिस में छुट्टियां मना रही थीं। उन्होंने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर अपने सनी एलए घर के अंदर की झलक दिखाई।

घर के ओपन एरिया में इंजॉय करती दिख रहीं मल्लिका शेरावत

मल्लिका लेटेस्ट वीडियो में अपने पालतू कुत्ते के साथ घर के ओपन एरिया में इंजॉय करती दिख रही हैं। उन्होंने वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा है, 'घर वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है, लॉस एंजिल्स...मैंने मिस किया।'

इस घर में एक स्विमिंग पूल और ढेर सारी हरियाली

एक्ट्रेस अक्सर अपने इस शानदार घर का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया करती हैं। इस घर में एक स्विमिंग पूल और ढेर सारी हरियाली है। इस विशाल घर में बड़े फ्रेंच दरवाजे और विंटेज फर्नीचर इसकी खूबसूरती को और निखारते नजर आते हैं। घर को कुछ इस तरह से डिजाइन किया गया है जिससे यहां अंदर ढेर सारी हवा, रोशनी और हरियाली का लुत्फ उठाया जा सके। घर में बगीचे का सुंदर नज़ारा भी दिख रहा है।

'ला ला लैंड में वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है'

मई 2023 में, एक्ट्रेस ने अपने घर का एक वीडियो पोस्ट किया था और अपने इंस्टाग्राम कैप्शन में लिखा था, 'ला ला लैंड में वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है, मुझे अपनी प्यारी लिली (उनका पालतू कुत्ता) की याद आ रही थी।' मल्लिका के घर में ऊंचे पेड़ों से घिरा एक शानदार लॉन है। वह अक्सर अपने खूबसूरत आउटडोर स्पेस की झलकियां शेयर करती रहती हैं।

'मुझे अपनी खिड़की से नजारा बहुत पसंद है'

जुलाई 2023 में भी उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया था जिसमें घर, लॉन और पूल दिखाया और कैप्शन में लिखा था, 'वीकेंड मूड'। अगस्त 2023 में, मल्लिका ने अपने कमरे से लॉन और पूल के नजारे का एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'मुझे अपनी खिड़की से नज़ारा बहुत पसंद है।' वीडियो में उनके घर का हरा-भरा एरिया भी दिखाया है।

दिखाईं घर के अंदर की झलकियां

पिछले साल अगस्त में, उन्होंने अपने घर के अंदर का एक वीडियो भी दिखाया था, जिसमें सफेद दीवारों के साथ लकड़ी के पैनलिंग, फर्नीचर और सोफे की झलक दिखाई गई थीं। लिविंग स्पेस में नीले और सफेद रंग की प्रिंटेड आर्मचेयर भी थे, जो कमरे में विंटेज लुक देते दिख रहे थे।

जब करीना कपूर ने सैफ की एक्स वाइफ अमृता सिंह को लेकर दिया था बड़ा बयान

सैफ अली खान और अमृता सिंह के तलाक के लंबे वक्त के बाद, करीना और सैफ की शादी हुई थी। करीना ने एक इंटरव्यू के दौरान, सैफ-अमृता के रिश्ते के बारे में खुलकर बात की थी।

करीना कपूर और सैफ अली खान की गिनती, बॉलीवुड के हॉट कपल्स में की जाती है। दोनों की शादी, 16 अक्टूबर 2012 को हुई थी। दोनों सालों से फैंस को कपल गोल्स दे रहे हैं। इससे पहले, जहां करीना लंबे वक्त तक शाहिद कपूर को डेट कर रही थीं। वहीं, सैफ अली खान का 2004 में अमृता सिंह से तलाक हो गया था। इसके लंबे वक्त के बाद, सैफ और करीना साथ आए। दोनों ने फिल्म टशन के दौरान, एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया और कुछ साल डेटिंग के बाद, दोनों हमसफर बन गए। करीना की बॉन्डिंग सैफ और अमृता के बच्चों, सारा और इब्राहिम के साथ काफी अच्छी है और अक्सर ही सोशल मीडिया पर इनकी फोटोज देखने को मिलती हैं। सारा अली खान भी सैफ और करीना के दोनों बच्चों के साथ, अक्सर क्यूट फोटोज शेयर करती हैं। लेकिन, अमृता के साथ करीना का रिश्ता कैसा है, इस बारे में करीना ने सालों पहले एक इंटरव्यू के दौरान बात की थी। चलिए, आपको बताते हैं कि करीना ने अमृता सिंह को लेकर क्या स्टेटमेंट दिया था।

करीना ने खुद को बताया था अमृता सिंह का फैन

करीना ने सालों पहले एक मैग्जीन को दिए इंटरव्यू में सैफ और अमृता के रिश्ते पर खुलकर बात की थी। उन्होंने खुद को अमृता का फैन बताया था। उन्होंने कहा था, मैं इस बात की इज्जत करती हूं कि सैफ पहले शादीशुदा थे और उनके दो प्यारे बच्चे हैं। मैं अमृता से कभी मिली नहीं हूं, लेकिन मैं उनकी फैन रही हूं। मेरी जिंदगी में हमेशा उनकी खास जगह और इज्जत रहेगी, क्योंकि वह सैफ की पहली पत्नी और उनके दो बच्चों की मां हैं।

सैफ और अमृता की दोस्ती को बताया था सही

करीना कपूर ने इस इंटरव्यू के दौरान यह भी कहा था, भले ही अमृता और सैफ की शादी नहीं चल सकी। लेकिन, कई बार ऐसा होता है। मैं हमेशा अमृता का सम्मान करुंगी। मैंने हमेशा सैफ को भी उनसे दोस्ती रखने के लिए ही बढ़ावा दिया है और मुझे लगता है कि इस तरह रिश्ते बनाए रखना अच्छा रहता है। मेरे मन में उनके लिए कोई गलत फीलिंग नहीं है।

मिस्टर बच्चन की रिलीज की तारीख से उठा पर्दा

साउथ के मास महाराजा रवि तेजा इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म मिस्टर बच्चन को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। दर्शक बेसब्री से फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। वहीं, अब निर्माताओं ने इस इंतजार पर विराम लगा दिया है और फिल्म की रिलीज डेट का आधिकारिक एलान कर दिया है।

अजय देवगन की रेड का तेलुगु रूपांतरण मिस्टर बच्चन स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यानी 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में धमाल मचाएगी। निर्माताओं और रवि तेजा ने इसकी घोषणा करने के लिए सोशल मीडिया पर फिल्म का नया पोस्टर भी साझा किया। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस पीपल मीडिया फैक्ट्री ने लिखा, वक्त पे पहुचनेका अपना पुराना आदत है। मिस्टर बच्चन की 15 अगस्त को दुनिया भर में ग्रैंड रिलीज होगी। 14 अगस्त को सभी जगह विशेष प्रीमियर होगा। बड़े पर्दे पर जबरदस्त मनोरंजन के लिए तैयार हो जाइए।

यह हिंदी फिल्म रेड की रीमेक है, जिसमें रवि तेजा में एक सरकारी कर्मचारी के रूप में नजर आएंगे, जिसमें एक सामाजिक संदेश भी है। वहीं, भाग्यश्री बोरसे इस थ्रिलर फिल्म में रवि के साथ मुख्य भूमिका निभाएंगी। यह हिंदी फिल्म रेड की रीमेक है, जिसमें रवि तेजा में एक सरकारी कर्मचारी के रूप में नजर आएंगे, जिसमें एक सामाजिक संदेश भी है। वहीं, भाग्यश्री बोरसे इस थ्रिलर फिल्म में रवि के साथ मुख्य भूमिका निभाएंगी। यह फिल्म निर्देशक हरीश शंकर द्वारा निर्देशित और टीजी विश्व प्रसाद द्वारा निर्मित है। फिल्म में रवि तेजा के साथ भाग्यश्री बोरसे और सुभलेखा सुधाकर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। कहानी भारतीय उद्योगपति सरदार इंदर सिंह पर एक नाटकीय आयकर छापे के इर्द-गिर्द घूमती है।

सोशल मीडिया पर सोफिया अंसारी का हर अंदाज फैंस को बनाता है दीवाना

मॉडलिंग की दुनिया की पॉपुलर सेलिब्रिटी सोफिया अंसारी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। सोफिया अंसारी अक्सर अपनी सिजलिंग फोटोज शेयर करती रहती हैं। सोफिया अंसारी का अंदाज देखकर उनके फैंस आहें भरने पर मजबूर हो जाते हैं। सोफिया अंसारी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही उनके तमाम चाहने वाले फैंस अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस पर जमकर प्यार बरसाते हैं। सोफिया अंसारी का ग्लैमरस अंदाज अक्सर चर्चा का विषय बन जाता है। यहां पर आप सोफिया अंसारी की फोटोज देख सकते हैं। सोफिया अंसारी इंस्टाग्राम अकाउंट पर अक्सर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। सोफिया अंसारी की अधिकतर तस्वीरों में उनका सिजलिंग अंदाज देखने को मिलता है।

सोफिया अंसारी ने व्हाइट कलर की ड्रेस पहनकर अपना प्यार अंदाज दिखाकर फैंस का ध्यान खींचा। सोफिया अंसारी की प्यारी स्माइल उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रही है। सोफिया अंसारी अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करने का एक भी मौका नहीं छोड़ती हैं। सोफिया अंसारी का बोल्ड अंदाज सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन जाता है।

सोफिया अंसारी अलग-अलग तरह की रिवीलिंग ड्रेस पहनकर अपनी फोटोज शेयर करती हैं। सोफिया अंसारी की एक-एक तस्वीर देखकर फैंस आहें भरने पर मजबूर हो जाते हैं। सोफिया अंसारी अक्सर ब्लैक ड्रेस पहनकर फोटोशूट करवाती हैं। इसके बाद सोफिया अंसारी की तस्वीरें बुलेट की स्पीड से सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती हैं।

सोफिया अंसारी ने व्हाइट कलर का ऑफ शोल्डर टॉप पहना है। इसके साथ ही सोफिया अंसारी का कातिलाना अंदाज उनके तमाम चाहने वाले फैंस को घायल कर गया। सोफिया अंसारी की इंस्टाग्राम अकाउंट पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग हैं। सोफिया अंसारी को उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर 12 मिलियन से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं।

सोफिया अंसारी की ज्यादा फैन फॉलोइंग के चलते उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल होती हैं। सोफिया अंसारी के फैंस उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। सोफिया अंसारी अपने ग्लैमरस फोटोज शेयर करने के अलावा वीडियोज भी शेयर करती हैं। सोफिया अंसारी अपने वीडियो में भी बोल्डनेस का तड़का लगाती हैं।

सुबह हर 10-15 मिनट पर बजता है अलार्म तो बदल लें अपनी आदत

भागदौड़ भरी जिंदगी में चैन की नींद ले पाना काफी मुश्किल है। हर पल दिमाग में कुछ न कुछ चलता रहता है, जो नींद को पूरी तरह डिस्टर्ब करता है। सोने और जागने का शेड्यूल बिगड़ने से सेहत बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। आजकल ज्यादातर लोग देर रात सोते हैं और फिर उन्हें सुबह जल्दी उठना पड़ता है। वे कई बार अलार्म लगाकर सोते हैं, ताकि सुबह जल्दी उठ सकें और ऑफिस टाइम पर जा सकें।

अगर आप भी ऐसा करते हैं तो सावधान हो जाइए। डॉक्टर्स का कहना है कि सुबह स्नूज़ बटन दबाने से बचने के लिए बहुत से लोग 10-15 मिनट के गैप पर अलार्टम सेट कर देते हैं। ऐसा करने से सेहत बिगड़ सकती है। इससे दिनभर सुस्ती और थकान बनी रह सकती है।

सुबह बार-बार अलार्म लगाने से क्या नुकसान

बहुत से लोग सुबह 10-15 मिनट के गैप पर 3-4 अलार्म यानी मल्टीपल अलार्म लगाते हैं। अमेरिका के न्यूरोलॉजिस्ट बैंडन पीटर्स के अनुसार, कई बार अलार्म लगाकर उठना और फिर झपकी लेना उस वक्त भले ही अच्छा लग सकता है लेकिन इससे नींद का पैटर्न और क्वालिटी बिगड़ सकता है। इससे दिमाग कमजोर हो सकता है। इतना ही नहीं इससे पूरे दिन एनर्जी लो लगती रहती है।

एक से ज्यादा अलार्म क्यों खतरनाक

अधिकतर लोग नींद के आखिरी घंटों में स्लीप साइकल के आखिरी स्टेज में होते हैं, जिसे रैपिड आई मूवमेंट स्लीप भी कहते हैं। नींद में आरईएम याददाश्त और क्रिएटिविटी के लिए बेहद जरूरी होता है। लेकिन जब बार-बार अलार्म बजता है तो नींद में खलल पड़ती है और दिमाग की एक्टिविटी प्रभावित हो सकती है। इसलिए हमेशा सिर्फ एक ही अलार्म लगाना चाहिए, ताकि सुबह उठने तक नींद बिना रुकावट पूरी हो।

हो सकते हैं कई तरह के डिसऑर्डर

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सुबह जागने के लिए एक ही अलार्म काफी होता है। हर किसी को अपनी सोने की आदतों को मॉनिटर करना चाहिए। हमेशा एक ही समय पर सोना और जागना चाहिए। सुबह अलार्म से बार-बार नींद प्रभावित होने पर इससे जुड़े डिसऑर्डर हो सकते हैं। जिसकी वजह से उठने के बाद स्लो रिस्पांस, अस्थायी कम याददाश्त और सोचने की क्षमता प्रभावित होती है। इसकी वजह से पूरा दिन सुस्ती में गुजर सकता है और कई बीमारियां शरीर को घेर सकती हैं। आलस आने से किसी काम में मन नहीं लगता है और कॉन्फिडेंस भी लूज होता है। इतना ही नहीं इससे दूसरों के सामने इंप्रेशन भी बिगड़ता है।

मुंबई में 24 अगस्त को लाइव संगीत शो वर्ल्ड ऑफ स्त्री में परफॉर्म करेंगी अमृता खानविलकर

शाला, कट्यार कलजत घुसाली और राजी जैसी मराठी फिल्मों में अपने काम के लिए मशहूर प्रसिद्ध अभिनेत्री अमृता खानविलकर मुंबई में होने वाले अपने लाइव बहुप्रतीक्षित संगीत शो वर्ल्ड ऑफ स्त्री के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। आगामी 24 अगस्त को आयोजित होने वाले इस शो में शास्त्रीय और अर्ध-शास्त्रीय संगीत तथा नृत्य का आकर्षक मिश्रण देखने को मिलेगा।

अमृता ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर आगामी संगीत शो का एक टीजर शेयर किया। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया, हम अपने बहुप्रतीक्षित प्रोडक्शन, वर्ल्ड ऑफ स्त्री की एक झलक साझा करने के लिए रोमांचित हैं जिसका प्रीमियर 24 अगस्त को होगा। वर्ल्ड ऑफ स्त्री में अमृता के साथ नृत्य गुरु आशीष पाटिल और 10 नर्तकियों की एक टीम है।

शो के बारे में अमृता ने कहा, नृत्य हमेशा से मेरा जुनून रहा है। इस नृत्य-संगीत नाटक को जीवंत करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। आशीष पाटिल, अर्थ एनजीओ और कथक नर्तकियों की एक अत्यधिक कुशल टीम के साथ सहयोग करना एक समृद्ध अनुभव रहा है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि इस शो का उद्देश्य शास्त्रीय नृत्य शैलियों का जश्न मनाने के साथ सांस्कृतिक विरासत को उजागर करना है। इसमें महिलाओं के बहुमुखी पहलुओं पर प्रकाश डाला जाएगा।

लाइव प्रदर्शन के लिए अपना उत्साह व्यक्त करते हुए अमृता ने कहा, मैं हमेशा लाइव दर्शकों की ऊर्जा से आकर्षित रही हूं। संगीत और नृत्य शो की बढ़ती लोकप्रियता के साथ, मैं वर्ल्ड ऑफ स्त्री को मंच पर लाते हुए रोमांचित हूं। हमारा लक्ष्य आश्चर्यजनक दृश्यों, भावपूर्ण संगीत और मनमोहक नृत्य प्रदर्शनों के साथ दर्शकों का मनोरंजन करना और उन्हें मंत्रमुग्ध करना है।

डेढ़ घंटे का लाइव ऑडियो-विजुअल मंचन मंत्रमुग्ध कर देने वाले प्रदर्शनों की एक श्रृंखला के माध्यम से भक्ति, सौंदर्य और गतिशील ऊर्जा की थीम पर आधारित है। अर्थ एनजीओ और आशीष पाटिल के सहयोग से अमृतकला स्टूडियो द्वारा निर्मित, वर्ल्ड ऑफ स्त्री का प्रीमियर 24 अगस्त को मुंबई के नेशनल सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट में होने वाला है।

खास खबर

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर स्कूलों में होंगे विविध आयोजन

रायपुर। राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, छत्तीसगढ़ ने सभी स्कूलों में 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के उपलक्ष्य में विशेष गतिविधियों के आयोजन हेतु निर्देश जारी किए हैं। चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के उपलक्ष्य में हर साल 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया जाएगा, जिसका उद्देश्य युवाओं में विज्ञान और अंतरिक्ष के प्रति रुचि उत्पन्न करना है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2024 के लिए थीम ''चंद्रमा को छूते हुए जीवन को छूना: भारत के अंतरिक्ष गाथा'' है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर स्कूलों में होने वाले मुख्य गतिविधियों में एनसीईआरटी द्वारा विकसित विशेष 'चंद्रयान पर आधारित मॉड्यूल' प्रदर्शित करते हुए 22 और 23 अगस्त को 'चंद्रयान मॉड्यूल पर व्याख्यान' का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर अंतरिक्ष से संबंधित विभिन्न विषयों पर पोस्टर और निबंध, मॉडल बिल्डिंग, क्विज एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। साथ ही अंतरिक्ष विज्ञान संबंधित 30 मिनट का एक वीडियो स्कूलों में प्रदर्शित किया जाएगा।

आया फिर से राखी का त्यौहार, भारतीय डाक विभाग आपकी सेवा में है 24 घंटे तैयार

रायपुर। भारतीय डाक विभाग, अपने विशाल नेटवर्क एवं विश्व के कई देशों में अपनी बेहतर सेवाएँ देने के लिए प्रतिबद्ध है। आगामी रक्षाबंधन के पवन पर्व पर बहनों की राखियों को भाइयों तक पहुंचाने के लिए विशेष राखी लिफाफा डाक विभाग द्वारा प्रिंट करवाकर रायपुर प्रधान डाकघर एवं रायपुर संभाग के समस्त डाकघरों मे भिजवाया गया है । डाक विभाग की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह लिफाफा खरीदकर तुरंत स्पीडपोस्ट से राखी भेजने हेतु उपयोग में लाया जा सकता है। राखी प्रेषण हेतु नेशनल सार्टिंग हब पुजारी पार्क के सामने, टिकरापारा, रायपुर में 24 घंटे एवं प्रधान डाकघर जय स्तम्भ चौक रायपुर में सुबह 8:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक तथा शहर एवं अन्य डाकघरों में स्पीड पोस्ट बुकिंग सुविधा उपलब्ध है। अत्यधिक मात्रा में स्पीड पोस्ट, रजिस्टर्ड पोस्ट, पार्सेल बुकिंग के लिए रेलवे स्टेशन चौक के पास, गंज डाक परिसर में बल्क प्रोसेसिंग सेंटर कार्यालय में भी बुकिंग की सुविधा उपलब्ध है, जिनका उपयोग करते हुए बहनें, अपने भाइयों तक राखियाँ प्रेषित कर सकती हैं। इस अवसर पर राखी की डाक को पोस्ट करने के लिए शहर एवं रायपुर संभाग के विभिन्न स्थानों पर स्पेशल पीले रंग की पत्र पेटियाँ लगाई गयी है, साथ ही साथ राखी की सभी प्रकार की डाक के त्वरित प्रेषण के लिए विशेष व्यवस्था की गई है ताकि सभी बहनों की भावनाओं का प्रतीक राखी का लिफाफा शीघ्र ही स्नेह के साथ भाइयों तक पहुंचाया जा सके।

कलेक्टर ने गुण्डरदेही में रेलवे ओव्हर ब्रिज निर्माण के लिए प्रस्तावित स्थल का किया निरीक्षण

बालोद। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने आज चैनगंज गुण्डरदेही में रेलवे फाटक में निर्बाध आवागमन की सुविधा सुनिश्चित कराने के लिए रेलवे अंडरब्रिज एवं ओव्हर ब्रिज निर्माण हेतु प्रस्तावित स्थल का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम खर्रा के तांदुला नदी में निर्माणाधीन उच्च स्तरीय पूल निर्माण के कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों को निर्धारित समयावधि में गुणवत्तायुक्त ढंग से पूरा कराने के निर्देश दिए। इस मौके पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे, एसडीएम सुरेश साहू, लोक निर्माण विभाग सेतु के अनुविभागीय अधिकारी टीएन संतोष सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। चन्द्रवाल ने चैनगंज गुण्डरदेही में रेलवे अंडरब्रिज एवं ओव्हर ब्रिज के निर्माण हेतु प्रस्तावित स्थल के अवलोकन के दौरान सेतु निगम के अधिकारियों से निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराने हेतु भूमि अधिग्रहण एवं यूटिलिटी शिफ्टिंग आदि के कार्य के संबंध में भी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि राज्य शासन के द्वारा भू-अर्जन एवं यूटिलिटी शिफ्टिंग का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में शासन को प्राक्कलन प्रस्तुत कर दी गई है। कलेक्टर ने रेलवे अंडरब्रिज एवं ओव्हर ब्रिज के प्रस्तावित ड्राइंग का भी अवलोकन किया।

आधुनिक तकनीकी का उपयोग कर खनिजों की करें खोजः पी. दयानंद

वर्ष 2023-24 में लगभग 13000 करोड़ रूपए के खनिज राजस्व की हुई प्राप्ति, राज्य स्थापना वर्ष की तुलना में लगभग 30 गुना अधिक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य स्तरीय भू-वैज्ञानिक कार्यक्रम मडल छत्तीसगढ़ की 24वीं बैठक आज खनिज साधन विभाग के सचिव पी. दयानंद की अध्यक्षता में राजधानी रायपुर स्थित सिविल लाईन विश्राम भवन के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में सम्पन्न हुई। बैठक में सचिव पी. दयानंद ने कहा कि किसी भी देश एवं राज्य के विकास में खनिजों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। छत्तीसगढ़ में खनिज अधारित नये उद्योगों की स्थापना के लिए राज्य में विद्यमान विभिन्न खनिजों का सतत् एवं व्यवस्थित तरीके से अन्वेषण किया जाना चाहिए।

उन्होंने बैठक में उपस्थित अन्वेषण कार्यों से संबद्ध सभी विभागों एवं संस्थानों से कहा कि छत्तीसगढ़ के समग्र विकास हेतु वे अपनी कुशलता, संसाधन एवं उपलब्ध नवीनतम् तकनीकियों का उपयोग कर प्रदेश में पाये जाने वाले खनिजों का अन्वेषण करे। उन्होंने छत्तीसगढ़ में खनिजों के विकास के लिए कार्य करने वाली एजेंसियों के मध्य उत्पादित आंकड़ों को आपस में साझा करने और परस्पर समन्वय स्थापित किये जाने की सलाह दी है। श्री पी. दयानंद ने बताया कि वर्ष 2023-24 में लगभग 13000 करोड़ रूपए के खनि राजस्व की प्राप्ति हुई है जो राज्य स्थापना वर्ष की तुलना में लगभग 30 गुना अधिक है।

खनिज विभाग के सचिव पी. दयानंद ने राज्य में खनिज अन्वेषण एवं खनिज दोहन के क्षेत्र में कार्यरत केंद्र और राज्य सरकार के विभागों एवं संस्थानों द्वारा वर्ष 2023-24 में किये गये भू-वैज्ञानिक कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान वर्ष 2023-24 के सम्पादित कार्यों की उपलब्धियों पर चर्चा की गई और प्रदेश में पाये जाने वाले खनिजों की खोज के लिए वर्ष 2024-25 में प्रस्तावित भू-वैज्ञानिक कार्यों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में भौमिकी तथा खनिकर्म विभाग के संचालक सुनील कुमार जैन सहित केन्द्र तथा राज्य शासन के विभिन्न विभागों और उपक्रमों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रदेश में चूना पत्थर और लौह अयस्क के नए भण्डार खोजे गए

भौमिकी तथा खनिकर्म विभाग के संचालक जैन ने वर्ष 2023-24 में सम्पन्न कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष कुल 1050 मिलियन टन चूनापत्थर एवं लौह अयस्क के कुल 179 मिलियन टन भण्डार आंकलित किये गये। खान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में NMET के तहत वर्ष 2023-24 में चूनापत्थर हेतु 01 अन्वेषण परियोजना की स्वीकृति प्राप्त हुई है। अधिसूचित निजी अन्वेषण संस्थान को NMET के तहत् राज्य के अन्वेषण कार्य हेतु तीन प्रस्ताव स्वीकृत किये गये थे। जिसमें दो ग्रेफाईट एवं एक दुर्लभ मृदा धातुएँ शामिल है।

केन्द्र तथा राज्य शासन के विभिन्न विभागों, उपक्रमों के प्रतिनिधियों द्वारा भी छत्तीसगढ़ राज्य में किये गये खनिज अन्वेषण कार्यों की जानकारियों पर प्रस्तुतिकरण दिया गया। भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग के उप महानिदेशक डॉ. सुदीप भट्टाचार्या ने बताया कि छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में बाक्साइट, गोल्ड, कॉपर, ग्लूकोनाईट, ग्रेफाइट, बेसमेटल, डायमण्ड, लिथियम, ऋश्वश्व, क्ल्रश्व, फास्फोराइट, फ्लोराईट खनिज हेतु सर्वेक्षण कार्य किया गया है। वर्ष 2024-25 में विभिन्न खनिजों की कुल 25 परियोजनाओं पर कार्य लिया जा रहा है। संयुक्त संचालक (भौमिकी) संजय कनकने ने बताया कि संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म, छत्तीसगढ़ द्वारा वर्ष 2024-25 में कुल 12 अन्वेषण परियोजना को सर्वेक्षण-पूर्वेक्षण कार्य हेतु अनुमोदित किया गया। जिसमें मैंगनीज पर 01, ग्रेफाईट पर 01, चूनापत्थर पर 03, लौह अयस्क पर 05 एवं बाक्साइट पर 02 परियोजना शामिल है। खान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में ह्रस्श्वञ्ज के तहत वर्ष 2024-25 में अधिसूचित निजी अन्वेषण संस्थान को राज्य में अन्वेषण कार्य हेतु दो प्रस्ताव स्वीकृत किये गये हैं। जिसमें 01 लिथियम तथा 01 ग्रेफाईट का प्रस्ताव सम्मिलित है।

इसी प्रकार वर्ष 2024-25 में विभिन्न संस्थानों द्वारा प्रदेश में 10 विभिन्न खनिजों की कुल 44 परियोजना अन्वेषण-पूर्वेक्षण कार्य हेतु अनुमोदित किया गया। जिसमें फास्फोराईट के 02, गोल्ड के 05, ग्लुकोनाईट के 06, ऋश्वश्व (Lithium, Tantalum etc.) के 11, लेड-जिंक के 01, फास्फेट के 01, बॉक्साईट के 05, लौह अयस्क के 09, कॉपर के 02, ग्रेफाईट की 01 एवं लीथियम की 01 अन्वेषण-पूर्वेक्षण परियोजना शामिल है।

बाल सक्षम नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए चलाया गया अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। जिला कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देश एवं कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू के मार्गदर्शन में संयुक्त टीम द्वारा बाल सक्षम नीति के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विगत दिवस विश्रामपुर शहरी क्षेत्र में बाल भिक्षावृत्ति, अपशिष्ट संग्राहक, बाल श्रमिक, मादक द्रव्यों के शिकार बच्चों के संरक्षण एवं एक युद्व नशे के विरुद्ध के तहत सम्बंधित वैधानिक प्रावधानों के क्रियान्वयन हेतु बाजार क्षेत्र, बस स्टैंड, गैरेज, मुख्य बाजार दुकानों, होटलों ,रेलवे स्टेशन एवं मटन बाजार पर जाकर बाल मजदूरों/बाल भिक्षावृत्ति रोकने हेतु प्रयास किया गया।

साप्ताहिक बाजार के मटन मार्केट में सभी दुकानों का औचक निरीक्षण के दौरान एक अंतरराज्यीय बालक काम करते हुए पाया गया जिसे संयुक्त टीम द्वारा बाल कल्याण समिति सूरजपुर के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु अपने संरक्षण में लिया गया। मटन एवं मछली मार्केट के समस्त दुकानदारों को समझाइश दी गई की किसी भी नाबालिग बच्चे को अपने दुकान में कार्य पर ना रखे तथा ऐसा करते पाए जाने पर उनके विरूद्व कानूनी कार्यवाही की जाएगी। इसके बाद बस स्टेन्ड में स्थित विभिन्न होटलों एवं दुकानों का निरीक्षण किया गया एवं बाल श्रमिक न रखने की समझाइश दी गई। इस तरह के कार्यों में लिप्त बच्चों की सूचना जिला बाल संरक्षण इकाई, श्रम विभाग, चाईल्ड लाईन हेल्पलाईन नं0 1098 एवं पुलिस को दी जा सकती है। शिवनंदन पुर बस्ती, मुख्य बाजार एवं बस स्टैण्ड स्थित कई होटल, रेस्टोरेंट, पान दुकान, तथा 35 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घुमकर बाल श्रम, भिक्षावृत्ति एवं बच्चों के नशा के संबंध में समझाइश दी गई। इस दौरान जिला बाल संरक्षण इकाई से परामर्शदाता जैनेन्द्र दुबे, श्रम विभाग से श्रम उपनिरीक्षक डोलामणी मांक्षी, जिला बाल संरक्षण इकाई, आउटरीच वर्कर पवन धीवर,, चाईल्ड लाईन से रमेश साहू, नंदिनी खटीक, नगर सैनिक विवेक गुप्ता इत्यादि शामिल थे।

एनआईटी रायपुर में नए शैक्षणिक भवन की आधारशिला रखी गई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (रा.प्रौ.सं.) रायपुर में एकेडमिक एनेक्स-1 नामक नए जी+6 भवन की आधारशिला 07 अगस्त 2024 को आयोजित शिलान्यास समारोह में रा.प्रौ.सं. शासी निकाय के अध्यक्ष डॉ. सुरेश हावरे द्वारा रखी गई। यह शिलान्यास समारोह डॉ. एन. वी. रमना राव, निदेशक, रा.प्रौ.सं. रायपुर और डॉ. आर. के. त्रिपाठी, डीन (योजना एवं विकास), रा.प्रौ.सं. रायपुर की उपस्थिति में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। एकेडमिक एनेक्स- 1 भवन का निर्माण रा.प्रौ.सं. रायपुर परिसर में यूनिट ऑपरेशन लैब के स्थान पर किया जाएगा और यह मौजूदा शैक्षणिक भवन के निकट स्थित होगा। इस अत्याधुनिक, सात मंजिला इमारत का निर्माण केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) रायपुर द्वारा किया जाएगा। यह नई सुविधा 6,387 वर्ग मीटर के कुल क्षेत्र में फैली होगी और छात्रों के लिए शैक्षणिक गतिविधियों हेतु बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय वृद्धि करेगी। कक्षाओं और प्रयोगशालाओं हेतु 35 हॉल वाली इस इमारत में अग्निशमन प्रणाली, सीसीटीवी निगरानी, लैन प्रणाली सहित आधुनिक सुविधाएं होंगी, जो संस्थान के छात्रों के लिए एक सुरक्षित और तकनीकी रूप से उन्नत शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करेगी। यह परियोजना ?25.4 करोड़ की कुल लागत पर 18 महीनों में पूरी होगी इस नए शैक्षणिक भवन का शिलान्यास रा.प्रौ.सं. रायपुर की शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार और उन्नयन के लिए संस्थान के चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस शिलान्यास समारोह में रा.प्रौ.सं. रायपुर के सभी डीन, डॉ. एन. डी. लोंढे, प्रभारी कुलसचिव, डॉ. एल. के. यदु, डॉ. ए. वी. अहिरवार, एसोसिएट डीन (यो. एवं वि.), श्री पवन कटारिया, सहायक कुलसचिव (यो. एवं वि.), सहित अन्य फैकल्टी मेम्बर्स और कर्मचारी उपस्थित रहे। शिलान्यास समारोह के दौरान सीपीडब्ल्यूडी रायपुर के कार्यपालक अभियंता (सिविल) श्री. रीतेश कुमार अग्रवाल, वास्तुकार श्री. पुष्पराज कश्यप, और अन्य अधिकारियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

विदेशी शराब के लिए 70 कंपनियों का आया ऑफर रेट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेज कार्पोरेशन द्वारा विदेशी मदिरा की खरीदी के लिए जारी रेट ऑफर में 70 कंपनियों ने रेट ऑफर प्रस्तुत किया है, जिनमें छत्तीसगढ़ के मदिरा विनिर्माताओं के साथ-साथ अन्य राज्यों में निर्मित की जाने वाली मदिरा और विदेश में निर्मित मदिरा आपूर्ति करने वाली कंपनियां (बीआईओएस) भी शामिल हैं। इन कंपनियों ने विदेशी मदिरा स्प्रिट के 303 ब्राण्ड एवं बीयर के 69 ब्राण्ड के रेट दिए हैं। यह जानकारी आबकारी विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान दी गई।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में बीते 19 जून को हुई कैबिनेट की बैठक में विदेशी मदिरा के थोक विक्रय एवं भंडारण हेतु वर्तमान में प्रचलित एफएल 10 ए बी अनुज्ञप्ति की व्यवस्था को समाप्त करते हुए सीधे विनिर्माता इकाइयों से विदेशी मदिरा का थोक क्रय किए जाने का निर्णय लिया गया था। विदेशी ब्रांड की मदिरा की सीधी खरीदी की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ बेवरेज कार्पोरेशन को दी गई थी। कैबिनेट के इस निर्णय के परिपालन में बेवरेज कार्पोरेशन द्वारा विदेशी मदिरा खरीदी की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी सिलसिले में कंपनियों को रेट ऑफर भी जारी किया गया है। यहां यह उल्लेखनीय है कि राज्य में विदेशी मदिरा का क्रय इससे पहले लायसेंसियों द्वारा किया जाता था। सरकार ने इस व्यवस्था को समाप्त कर दिया है।

बैठक में सचिव सह आबकारी आयुक्त सुश्री आर संगीता ने विदेशी मदिरा की खरीदी से लेकर उपभोक्ताओं को इसकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में विभागीय अधिकारियों द्वारा की जा रही तैयारियों की गहन समीक्षा की और प्रस्तावित व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के संबंध में अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को कंपनियों के रेट ऑफर एवं फुटकर विक्रय के लिए अनुमोदित होने वाली दर को ब्राण्ड एवं लेबलों के अनुसार वेबसाइट पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिये। छत्तीसगढ़ में उपभोक्ताओं को विदेशी मदिरा की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रस्तावित व्यवस्था के लागू होने से यूरोप के बड़े देशों में बिकने वाले लोकप्रिय बाण्ड की मदिरा भी दुकानों में मांग अनुरूप उपलब्ध रहेगी। बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिए गए कि मदिरा दुकानों में निर्धारित दर से अधिक दर पर मदिरा का विक्रय न हो एवं मदिरा में किसी भी प्रकार की मिलावट न हो, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। मदिरा के निर्धारित रेट एवं क्वालिटी की निगरानी एवं किसी भी तरह की गड़बड़ी के मामले में प्रभावी कार्यवाही के लिये मदिरा दुकानों में लगाए गए सीसीटीव्ही कैमरों को आबकारी मुख्यालय के सेन्ट्रलाइज्ड वीडियो मॉनिटरिंग सिस्टम से जोड़ा जाएगा।

बैठक में यह भी जानकारी दी कि मुख्यमंत्री श्री साय की मंशा के अनुसार शासकीय कार्य में पारदर्शिता के उद्देश्य से आबकारी विभाग द्वारा मोबाइल बेस्ड एप्लीकेशन तैयार किया जा रहा है। इस मोबाइल बेस्ड एप्लीकेशन के जरिए राज्य के मदिरा दुकानों में विभिन्न ब्रांड की मदिरा की उपलब्धता की जानकारी आम लोगों को मिल सकेगी।

रोजगार मेला युवावर्ग को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने का साबित हो रहा बेहतर माध्यम

गरियाबंद। गरियाबंद के इंडोर स्टेडियम में आज जिला प्रशासन, कौशल विकास प्राधिकरण एवं जिला रोजगार कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में रोजगार मेला का आयोजन किया गया। रोजगार मेला में विभिन्न विभागों सहित प्रदेश स्तरीय निजी संस्थानों द्वारा स्टॉल लगाया गया। स्टॉल में युवाओं का पंजीयन कर उन्हें विभिन्न अशासकीय संस्थानों में नौकरी करने का अवसर प्रदान किया गया।

रोजगार मेला में मौके पर ही कई युवाओं को विभिन्न पदों में नौकरी के लिए ऑफर लेटर प्रदान किया गया। आज आयोजित रोजगार मेला में 2 हजार 800 से अधिक अशासकीय पदों में भर्ती के लिए युवाओं का पंजीयन किया गया। इस दौरान युवाओं ने क्लर्क, सिक्योरिटी गार्ड, ऑपरेटर, मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव, फिल्ड स्टाफ, नर्सिंग स्टाफ, मेडिकल इंचार्ज, सुपरवाइजर, फायर सेफ्टी ऑफिसर एवं मैनेजर आदि पदों के लिए ऑन स्पॉट पंजीयन कराया। रोजगार मेला में राजिम क्षेत्र के विधायक रोहित साहू, बिंद्रानवागढ़ क्षेत्र के विधायक जनक राम ध्रुव एवं कलेक्टर दीपक अग्रवाल भी शामिल हुए।

उन्होंने विभिन्न संस्थानों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन कर युवाओं को संस्थान की ओर से नियुक्ति पत्र भी सौंपे। साथ ही रोजगार मेला का महत्व बताते हुए अवसर का लाभ उठाने के लिए युवाओं को प्रेरित किया। इस अवसर पर विधायक श्री साहू ने कहा कि रोजगार मेला युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने का बेहतर माध्यम साबित हो रहा है।

प्रयास आवासीय विद्यालय के लिए सभी तैयारियां पूर्ण

रायगढ़। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा रायगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2024-25 से कक्षा 9 वीं हेतु प्रयास आवासीय विद्यालय स्थापित एवं संचालित किया जाना है। इसकी स्थापना हेतु लाईवलीहुड कालेज गढ़उमरिया, रायगढ़ का चयन किया गया है तथा उसके सुचारू संचालन हेतु बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था पूर्ण कर ली गई है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, रायगढ़ ने जानकारी देते हुए राज्य में प्रयास विद्यालय अपनी उच्च शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए पहचाने जाते है, जिसका वर्ष 2024-25 से रायगढ़ जिले में शुभारंभ किया जा रहा है। उक्त विद्यालय में प्रवेश हेतु काउंसलिंग की प्रक्रिया राज्य स्तर से संपादित की जा रही है, जिसमें शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कक्षा 9 वीं हेतु 125 सीट स्वीकृत है।

न्यू किट्टी बुक एंड स्टेशनरी मार्ट
• खाता बही, माला,
• फ्लावर झालर,
• लेजर बुक,
• कैश बुक,
• रोकड़ बही खाता
• कैलेंडर स्टेशनरी सामान
किसी भी बुक एंड स्टेशनरी में जाने से पहले एक बार न्यू किट्टी में जरूर पधारें...
नेहरू भवन रोड, सुपेला, भिलाई, मो.-9584917866, 6261748903

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

ऑपरेशन शंखनाद के तहत पशु तस्करी पर कार्रवाई, ड्रोन लेकर गांव में घुसी पुलिस

जशपुर पुलिस की कार्रवाई, 16 गाड़ियां और 10 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के अंतिम गांव साईं टांगरटोली में पुलिस ने ऑपरेशन शंखनाद के तहत बड़ी कार्रवाई की है। इस ऑपरेशन को पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित सोनी के नेतृत्व में 125 पुलिसकर्मियों का दल बलवा ड्रिल सामग्री और आंसू गैस के साथ गांव में पूरा किया। इस दौरान पशुतस्करों को गिरफ्तार करने के साथ ही पशुतस्करी में इस्तेमाल होने वाले वाहन भी जब्त किया। एसपी शशिमोहन सिंह ने आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रखने की बात कही गई है।

पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी के नेतृत्व में लगभग 125 अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा विभिन्न 05 टीम बनाकर बलवा ड्रील, अश्रु गैस सामग्री के लैस होकर बुधवार को अलसुबह 4 बजे जशपुर-झारखंड प्रांत के सीमावर्ती ग्राम साईटांगरटोली में वृहद स्तर पर ऑपरेशन शंखनाद चलाते हुए गो-तस्करों के ठिकानों पर एक साथ चारों तरफ से घेराबंदी कर दबिश दिया गया। पुलिस द्वारा कार्यवाही के दौरान ड्रोन से निगरानी की गई थी। दबिश देने के दौरान पुलिस टीम द्वारा 04 अलग-अलग बाड़े से कुल 37 गौ-वंश को तस्करों के कब्जे से जब्त किया गया, साथ ही गौ-तस्करी में संलिप्त कुल 10 तस्करों को अभिरक्षा में लेकर उनके कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त 09 पिकअप वाहन, 3 कार, 1 स्कार्पियो, 5 मोटर सायकल जप्त किया गया। तस्करों के विरूद्ध कार्रवाई लगातार जारी है। गिरफ्तार आरोपियों के विरूद्ध अनेकों न्यायालय से स्थाई वारंट जारी किया गया था।

16 गाड़ियां जब्त और 10 आरोपी हिरासत में

एसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि 16 गाड़ियां और 10 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है और कार्रवाई अभी भी जारी है। उक्त कार्यवाही में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी, एसडीओपी जशपुर चंद्रशेखर परमा, एसडीओपी कुनकुरी विनोद कुमार मण्डावी, उप पुलिस अधीक्षक विजय सिंह राजपूत, उप पुलिस अधीक्षक भावेश समरथ, थाना प्रभारी लोदाम निरीक्षक राकेश यादव, निरीक्षक हर्षवर्धन चैरासे, उप निरीक्षक सरिता तिवारी सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह ने कहा है कि आने वाले दिनों में पूरे जिले में इस तरह की कार्रवाई की जाएगी और जिले को पशु तस्करों से पूर्णतः मुक्त कराया जायेगा।

तस्करी वाले मवेशी बाड़े में दिखे

एसपी शशिमोहन सिंह ने बताया कि यह भी बताया कि ऑपरेशन के दौरान मुस्लिम बाहुल्य बस्ती की महिलाओं ने विरोध करने की कोशिश की, जिसे महिला पुलिस बल ने नियंत्रित किया। इस इलाके में ड्रोन से नजर रखी जा रही है, जिससे तस्करी कर लाए गए मवेशियों के बाड़े भी दिखे। कुछ मवेशियों को पिकअप में भरकर झारखंड की ओर तस्करी करने की कोशिश करते हुए तस्कर रंगे हाथ पकड़े गए हैं।

तस्करी खत्म होने तक जारी रहेगा ऑपरेशन

एसपी शशि मोहन सिंह ने सख्त लहजे में कहा कि यह गांव मवेशी तस्करों का गांव है और पुलिस की कई बार की कार्रवाई के दौरान झड़पें भी हो चुकी हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए मवेशी तस्करों के खिलाफऑपरेशन शंखनाद चलाया जा रहा है। शंख नदी के किनारे दो राज्यों की सीमा पर बसे इस गांव में तस्करी के खिलाफयह ऑपरेशन तब तक जारी रहेगा जब तक मवेशी तस्करी पूरी तरह से खत्म नहीं हो जाती। इस दौरान कुछ वारंटी भी गिरफ्तार किए गए हैं और आगे भी और गिरफ्तारियां होने की संभावना है। पशुप्रेमी इस ऑपरेशन को मवेशी तस्करी की अंतर्राष्ट्रीय चैनल तोड़ने की बड़ी कार्रवाई मान रहे हैं। यह कार्रवाई जशपुर जिले में मवेशी तस्करी को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है, जिससे छत्तीसगढ़ से होकर बांग्लादेश तक पहुंचने वाली तस्करी की श्रृंखला को तोड़ा जा सके।

खास खबर

एटीएम मशीन को उखाड़ ले गए चोर, अब सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही पुलिस

बेमेतरा। जिले के ग्राम जेवरा स्थित जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग की एटीएम मशीन को चोर उखाड़ ले गए। इस मामले में बेमेतरा सिटी कोतवाली पुलिस जांच में जुटी हुई है।

जानकारी अनुसार, वारदात रात के समय हुई है। गुरुवार की सुबह आसपास से गुजरने वाले लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद मौके पर पुलिस की टीम पहुंची हुई थी। आरोपी ने कटर के माध्यम से मशीन के आसपास कटाई की, फिर मशीन को निकालकर ले उड़े। एटीएम मशीन में रुपये के संबंध में बैंक से जानकारी ली जा रही है। इसके अलावा एटीएम में लगे सीसीटीवी फटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

बस को हाइवा ने मारी टक्कर, सड़क किनारे दोनों पलटे: 20 यात्रियों को आई गंभीर चोटें

कोरबा। अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्यमार्ग पर तारा के पास गुरुवार सुबह यात्रियों से भरी बस को तेज रफ्तार हाइवा ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे दोनों वाहन सड़क किनारे पलट गए। बस में सवार करीब 30 यात्री घायल हो गए। जिन्हें तारा, मोरगा और उदयपुर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। घटना तारा चौकी क्षेत्र की है।

दरअसल, सूरजपुर से अंबिकापुर होकर बिलासपुर के लिए जाने वाली जनता बस क्रमांक सीजी 29 बी 0106 अंबिकापुर से यात्रियों को लेकर रवाना हुई। सुबह करीब 7.50 बजे नेशनल हाईवे-130 पर तारा के पास पहुंची। बस के चालक ने रफ्तार कुछ कम की, उसी दौरान अंबिकापुर से कोरबा की ओर जा रहे हाइवा क्रमांक सीजी 04 एमएच 7845 ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने रेलिंग को तोड़ते हुए नीचे साइडवाल में आधा लटक-कर पलट गई। इसके बाद हाइवा एक ट्रेलर से भी टकराकर बस के साथ सड़क से नीचे पलट गया। हादसे में बस में सवार करीब 30 यात्रियों को चाटें आई हैं। इनमें से 20 को गंभीर हैं। अन्य सवारों को सामान्य चोट आई हैं।

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, ससुरालियों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप, 5 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। कबीरधाम पुलिस ने बहू को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। मामला सिटी कोतवाली थाना कवर्धा का है। बताया जा रहा है कि ससुराल वाले बहू को दहेज को लेकर प्रताड़ित करते थे। जिस वजह से महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

एडिशनल एसपी पुष्पेन्द्र सिंह बघेल ने बताया कि अंजू दिवाकर पति विश्राम दिवाकर उम्र 23 निवासी ग्राम मगरदा थाना कवर्धा ने 24 जुलाई की रात को अपने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि अंजू दिवाकर की शादी दो वर्ष पूर्व 2022 के जुलाई माह में विश्राम दिवाकर निवासी मगरदा के साथ हुई थी। शादी में अंजू के परिजनों द्वारा अपनी हैसियत अनुसार सामान आदि दिया गया था। शादी के 4-5 माह बाद ही पति विश्राम दिवाकर अंजू के साथ मारपीट करने लगा। उसका कहना था कि वह दहेज में बाइक, सोना-चांदी नहीं लाई।

अंजू की सास प्रेमी बाई, ससुर चंद्रीका प्रसाद द्वारा भी उसे प्रताड़ित किया जाने लगा। अंजू की ननंद आरती व उसका पति रमेश भी विश्राम दिवाकर को मारपीट करने के लिए कहते थे। अंजू ने इस बारे में कई बार अपने माता-पिता व बहन को बताया था। 24 जुलाई की रात में अंजू दिवाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में पुलिस ने विश्राम दिवाकर पिता चंद्रिका प्रसाद दिवाकर उम्र 29, चंद्रिका प्रसाद दिवाकर पिता हरीप्रसाद दिवाकर उम्र 53, प्रेमीबाई दिवाकर पति चंद्रिका प्रसाद दिवाकर उम्र 50 तीनों निवासी ग्राम मगरदा व रमेश बघेल पिता टीकाराम बघेल उम्र 35, आरती बघेल पति रमेश बघेल उम्र 33 दोनों निवासी ग्राम रूसे थाना पांडातराई जिला कबीरधाम को गिरफ्तार किया है और सभी को जेल भेज दिया गया है।

जीआरपी ने पकड़ी दो बैग नशीली सिरप पुलिस को देख भागे तस्कर, एक गिरफ्तार

- रेलवे यार्ड एरिया में संदिग्ध अवस्था में घूम रहे थे तस्कर
- एक आरोपी फरार, तलाश में जुटी रेलवे पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शासकीय रेलवे पुलिस द्वारा वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त रायपुर रमन कुमार के निर्देश पर इन दिनों ऑपरेशन नार्कोस चलाया जा रहा है। इसके तहत रेलवे पुलिस नशे के कारोबार करने वाले के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में रेलवे यार्ड से नशीली सिरप की खेप बरामद की है। रेलवे पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं, एक आरोपी पुलिस को देखकर फरार हो गया। आरोपी के पास से दो बैग भरे सिरप बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

दरअसल रेलवे पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि 7 अगस्त को दुर्ग-भिलाई के मध्य रेलवे लाइन किमी न 864/2ए के पास दो व्यक्ति को 2 ट्रॉली बैग के साथ संदिग्ध अवस्था में घूम रहा है। पुलिस को देख एक फरार हो गया दूसरा पकड़ा गया। पूछताछ करने पर उक्त व्यक्ति ने अपना नाम प्रेम प्रकाश नेताम, निवासी पाटन बताया। संदेह होने पर उसका बैग खोलकर दिखाने को कहा गया। दोनों ट्रॉली बैग में कफ सीरफ़ BLUEX-T मिला जिसका कोई वैध कागजात नही होना बताया। उक्त कफ सीरफ के नसीली पदार्थ होने की पुष्टि के लिए ड्रग निरीक्षक दुर्ग को घटनास्थल पर बुलाया गया जिनके द्वारा इसकी पुष्टि की गई। उक्त दोनों ट्रॉली बैग में नसीला पदार्थ BLUEX-T होने की पुष्टि होने के पश्चात कुल 508 नग बॉटल (प्रत्येक 100 मीली) को जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 91,440 है। नशीली सिरप को जब्त कर उक्त व्यक्ति को ह्ष्ठक्क एक्ट के तहत कार्यवाही कर दोनो ट्रॉली बैग सहित आगे की कार्रवाई के लिए जीआरपी को सौंपा गया।

दुर्ग जीआरपी प्रभारी भूपेंद्र राठौर ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि रेलवे यार्ड में दो आरोपियों के द्वारा नशीली सिरप की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पुलिस टीम को एक्टिव किया गया। रेलवे यार्ड में दो युवक बैग लेकर घूमते दिखे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की। इसी दौरान एक आरोपी बैग छोड़कर फरार हो गया। वहीं, एक आरोपी को पुलिस ने दबोच लिया। बैग की तलाशी लेने पर बड़ी मात्रा में अलग-अलग कंपनी की नशीली सिरप मिली। पुलिस एक फरार आरोपी को तलाश में जुटी है।

विधानसभा के अधिकारियों से सेटिंग बताकर साढ़े 8 लाख की ठगी

कैंटीन चलाने वाले ने नौकरी पक्की बोलकर ऐंठे पैसे, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में नौकरी लगवाने का झांसा देकर रायपुर में एक युवक से साढ़े 8 लाख की ठगी हुई है। आरोपी ने विधानसभा के बड़े अफसरों तक सेटिंग होना बताकर युवक को झांसे में लिया था। पीड़ित ने एसएसपी से मामले की शिकायत की थी। जिसके बाद आरोपी की खोजबीन में पुलिस जुटी थी। इस मामले में अब आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। पीड़ित फगेन्द्र यादव ने शिकायत में बताया कि, दो-तीन साल पहले उसकी मुलाकात जागेश्वर यादव निवासी राजनांदगांव से हुई। जागेश्वर टैगोर नगर स्थित विधायक विश्राम गृह में कैंटीन चलाता था। फगेन्द्र को नौकरी की जरूरत थी। जागेश्वर ने उसे कहा कि उसकी विधानसभा में अधिकारियों से सेटिंग है। वो उसकी नौकरी लगवा देगा।

इसके बाद पीड़ित ने आरोपी को नगद और ऑनलाइन माध्यम से अलग-अलग किस्त में 8 लाख 35 हजार रुपये दे दिए। बावजूद लंबे समय तक उसकी नौकरी नहीं लगी, तो उसने आरोपी से पैसे वापस मांगे। आरोपी ने पैसे लौटाने को लेकर टाल मटोल करना शुरू कर दिया। तब पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ। घटना के बाद पीड़ित ने कोतवाली थाने में इसकी शिकायत की थी। लेकिन लंबे समय तक थाने से कोई कार्रवाई नहीं हुई।

फिर उसने परेशान होकर रायपुर एसएसपी संतोष सिंह से इसकी शिकायत की। उच्चाधिकारियों के निर्देश और जांच के बाद कोतवाली थाना में स्नङ्ख्र दर्ज किया गया। इस मामले में पुलिस ने आरोपी जंगलपुर राजनांदगांव के निवासी जागेश्वर यादव को गिरफ्तार कर लिया है।

एसईसीएल कुसमुंडा खदान के करीब पहुंचा दंतैल हाथी महिला पर किया हमला, इलाज के दौरान हुई मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। एक दंतैल हाथी जंगल से भटक कर गांव के मुख्य मार्ग पर जा पहुंचा जहां एसईसीएल कुसमुंडा खदान के करीब तक जा पहुंचा है। पहली बार ऐसा हुआ है कि हाथी शहर की इतने करीब मुख्य मार्ग तक जा पहुंचा। जहां हाथी गांव के अंदर गली में घूमता हुआ नजर आ रहा है। सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकली ग्रामीण महिला गायत्री बाई पर हाथी ने हमला कर दिया और वे गंभीर रूप से घायल हो गई। जहां गायत्री के परिजन उसे तत्काल लेकर निजी अस्पताल पहुंचे जहां इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया।

बताया जा रहा है कि दंतैल हाथी तड़के सुबह जांजगीर-चांपा जिले के पंतोरा जंगल से कोरबा के नराईबोध आमगांव रलिया पहुंचा। जहां नराईबोध निवासी घायल गायत्री के नाती अनमोल कुमार ने बताया कि उसकी दादी रोज

की तरह गुरुवार की सुबह मॉर्निंग वॉक करने निकली हुई थीं। इस दौरान अचानक हाथी पीछे से आकर उनपर हमला कर दिया और वह बेहोशी हालत में पड़ी हुई थी। ग्रामीण सूचना पर मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल लेकर गए।

ग्रामीणों ने बताया कि हाथी की आने की सूचना के बाद लोग दहशत में हैं। वहीं, घर से बाहर नहीं निकल रहे हैं। वहीं, कई लोग हाथी के साथ छेड़छाड़ करते नजर आए। कोई अपने मोबाइल में वीडियो बना रहा था तो कई लोग उसे खदेड़ने के लिए उसके करीब जा रहे थे। जिस वजह से हाथी गुस्से में इधर-उधर भाग रहा था। वहीं, हाथी गांव में पहुंचने की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुचीं और हाथी पर नजर बनाए रखी है। वहीं, ग्रामीणों को वन विभाग की टीम समझा रही है कि हाथी के करीब ना जाए। दंतैल हाथी काफी आक्रोशित है और एसईसीएल कुमुण्डा खदान के आसपास मुख्य मार्ग पर पहुच गया और हाथी मवेशियों को दौड़ाता हुआ नजर आया। वहीं, हाथी के करीब से बाइक सवार जान जोखिम में डाल कर आवाजाही करते नजर आए।

सूचना मिलते ही कोरबा डीएफओ और कटघोरा डीएफओ पहुंचे मौके पर पहुंचे और वन कर्मियों को दिशा निर्देश दिया गया ताकि हाथी शहर की ओर प्रवेश न कर सके। उसे रेस्क्यू कर जंगल की ओर खदेड़ने का प्रयास किया गया। वन विभाग की टीम हाथी पर निगरानी रखी हुई है। नरईबोध गेवरा बस्ती व आसपास के गांव में लोगों में दहशत का माहौल बन गया है।

छत्तीसगढ में 60 से अधिक फैक्ट्री फैला रहे प्रदूषण बिलासपुर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से मांगी रिपोर्ट

- फैक्ट्रियों के प्रदूषण को लेकर जनहित याचिका पर हुई सुनवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में 60 से अधिक स्पंज आयरन और सीमेंट फैक्ट्रियां हैं, जो अधिक प्रदूषण फैला रही हैं। इसे लेकर हाईकोर्ट ने सरकार से रिपोर्ट मांगी है। साथ ही चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने महाधिवक्ता को जवाब पेश करने कहा है। इस पर सरकार के महाधिवक्ता ने कोर्ट कमिश्नर की रिपोर्ट की बातें स्वीकार की और कहा कि फैक्ट्रियों में प्रदूषण रोकने के लिए राज्य शासन कार्ययोजना बना रही है।

केस की सुनवाई अब 30 सितंबर को होगी।

दरअसल, कारखानों की चिमनियों से निकल रहे प्रदूषण पर प्रभावी रोक लगाने की मांग को हाईकोर्ट में चार अलग-अलग जनहित याचिका दायर की गई है। इसके साथ ही प्रदूषण से फैल रही बीमारियों को हाईकोर्ट ने जनहित याचिका मानकर सुनवाई शुरू की है। वहीं, प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने भी दिशा निर्देश जारी किया है।हाईकोर्ट ने इस मामले में एडवोकेट प्रतीक शर्मा सहित वकीलों को कोर्ट कमिश्नर नियुक्त किया है। कोर्ट ने उन्हें प्रदेश की इन औद्योगिक इकाइयों में प्रदूषण के कारण हो रही परेशानी के बारे में जानकारी मंगाई थी। उन्होंने निरीक्षण के बाद हाईकोर्ट में रिपोर्ट सौंप दी है, जिसमें 60 से अधिक उद्योंगों के प्रदूषण फैलाने की बात कही गई है। मामले की सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से पैरवी कर रहे महाधिवक्ता कार्यालय के विधि अधिकारियों ने कोर्ट को बताया कि राज्य में करीब ऐसे 60 स्पंज आयरन या सीमेंट प्लांट हैं, जहां प्रदूषण की शिकायतें आ रही है। इसे लेकर राज्य शासन कार्ययोजना बना रही है।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं लक्ष्मण शदाणी पिता स्व. मन्नूलाल शदाणी निवासी 142, सुन्दर नगर भिलाई तहसील व जिला दुर्ग (छ. ग.) यह शपथ करता हूं कि मैंने अपना पुराना नाम को त्याग कर नया नाम लक्ष्मण दास शदाणी पिता स्व. मन्नूलाल शदाणी रख लिया हूं। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम लक्ष्मण दास शदाणी पिता स्व. मन्नूलाल शदाणी से ही जाना पहचाना जावे।

लक्ष्मण दास शदाणी
142, सुन्दर नगर,
भिलाई, तहसील दुर्ग
जिला- दुर्ग (छ. ग.)

सीएम साय की घोषणा

हेमचंद विवि में बनेगा ऑडिटोरियम

68 विद्यार्थियों को शोध उपाधि एवं 48 को स्वर्ण मंडित पदक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दुर्ग के हेमचंद यादव विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की गरिमामय मौजूदगी में संपन्न हुआ। बीआईटी दुर्ग के सभागार में आयोजित इस दीक्षांत समारोह में 68 विद्यार्थियों को शोध उपाधि एवं 48 विद्यार्थियों को विभिन्न कक्षाओं में प्रवीण्य सूची में प्रथम आने पर स्वर्ण मंडित पदक प्रदान किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग छत्तीसगढ़ के दूसरे दीक्षांत समारोह का हिस्सा बनने के लिए आप सभी के बीच आना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विश्वविद्यालय के कुलपति की मांग पर विश्वविद्यालय में यूटीडी और निर्माणाधीन भवन में ऑडिटोरियम निर्माण की घोषणा कीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-25 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को पूरे प्रदेश में लागू कर दिया गया है। इससे हमारे विद्यार्थियों को न केवल अपनी रूचि के अनुसार विषय चुनने का अवसर मिलेगा बल्कि वे अपनी दक्षता के अनुसार अच्छी नौकरी प्राप्त कर सकेंगे अथवा स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य में छत्तीसगढ़ अपनी भागीदारी बढ़-चढ़कर निभाने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। विकसित भारत के निर्माण में हम सभी को अपनी दक्षता के अनुसार सहयोग देना है। छत्तीसगढ़ सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु प्रयासरत् है। पीएमश्री स्कूलों की स्थापना इसका बेहतरीन उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि पीएमश्री योजना के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में पहले चरण में 193 प्राथमिक स्तर के स्कूल और 18 उच्च माध्यमिक स्तर के स्कूल को विकसित किया जा रहा है। पीएमश्री योजना के तहत तीसरे चरण में छत्तीसगढ़ के 52 स्कूल स्वीकृत हुए है। मुख्यमंत्री श्री साय ने भरोसा दिलाया कि प्रदेश सरकार एवं केन्द्र सरकार के आपसी सामंजस्य से हमारी सरकार छत्तीसगढ़ को विकसित राज्यों की कतार में खड़ा कर देगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्थापना के 09 वर्ष की अवधि में ही हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग ने अनेक सफलताएं प्राप्त की है। पीएम-उषा योजना के माध्यम से प्रदान की गई 15 करोड़ रूपये की राशि से दुर्ग स्थित पोटियाकला में विश्वविद्यालय के नए भवन का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। जल्द ही विश्वविद्यालय अपने नये भवन में संचालित होने लगेगा। प्रदेश सरकार छात्र-छात्राओं के हित में अनेक कदम उठा रही है। हाल ही में 21 जुलाई को पांच वर्ष के लंबे अंतराल के बाद हमने छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा 2024 सफलतापूर्वक आयोजित की है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के माध्यम से शासकीय महाविद्यालयों में रिक्त सहायक प्राध्यापकों के पद भरे जाएंगे। प्रदेश में व्यापम द्वारा प्रत्येक रविवार को कोई न कोई प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्ग के साइंस कॉलेज परिसर में ऑडिटोरियम निर्माण कार्य अधूरा है, इस संबंध में संबंधितों को इसे पूरा कराने निर्देशित किया गया है। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 158 महाविद्यालयों में से एक दुर्ग साइंस कॉलेज को नैक बंगलुरू द्वारा 'ए प्लस' ग्रेड मिला है वहीं 04 अन्य निजी महाविद्यालयों को 'ए' ग्रेड मिला है। इस विश्वविद्यालय के अधीन 09 महाविद्यालयों को 'बी डबल प्लस ग्रेड प्राप्त हुआ है। यह गौरव की बात है। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दिया। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय में लगभग एक हजार से अधिक पीएचडी हेतु शोधार्थी पंजीकृत है, जो कि अपने आप में एक रिकार्ड है। यहां के छात्र-छात्राओं ने शोधकार्यों एवं शैक्षणिक गतिविधियों में राष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार ने छत्तीसगढ़ राज्य के शिक्षित युवाओं के हित को ध्यान में रखते हुए शासकीय सेवा के लिए निर्धारित अधिकतम आयु सीमा 05 वर्ष की छूट की अवधि को पांच वर्ष के लिए और बढ़ा दिया है। युवाओं को इसका लाभ वर्ष 2028 तक मिलेगा। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने दीक्षांत समारोह में सम्मिलित समस्त स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी की उपाधि धारकों तथा स्वर्ण पदक प्राप्त छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावक तथा शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वविद्यालय के कुलपति की मांग पर विश्वविद्यालय में यूटीडी और निर्माणाधीन भवन में ऑडिटोरियम निर्माण की घोषणा किया।

जनकल्याणकारी नीतियों को दस्तावेज होगा विजन डाक्युमेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग द्वारा ''अमृत काल: छत्तीसगढ़ विजन-2047'' के तहत स्टियरिंग कमेटी की बैठक मंत्रालय महानदी भवन अटल नगर नवा रायपुर में आयोजित की गई। बैठक वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी की अध्यक्षता एवं मुख्य सचिव अमिताभ जैन की सह-अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक का उद्देश्य 2047 तक छत्तीसगढ़ को एक विकसित राज्य बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं और नीतियों पर चर्चा करना था। बैठक में राज्य नीति आयोग के सदस्य, सलाहकार, विभिन्न विभागों के सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, बुनियादी ढांचा, उद्योग और पर्यावरण संरक्षण, कृषि, टेक्नोलॉजी, कला और संस्कृति की पहचान सहित अन्य विषयों पर राज्य को विकसित राज्य बनाने की संकल्पना पर आधारित विषयों को प्रस्तुतिकरण के माध्यम से बताया गया।

वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी ने अधिकारियों को विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। वित्तमंत्री ने विधानसभा बजट सत्र में घोषणा की थी कि राज्य स्थापना दिवस, 1 नवंबर 2024 को ''अमृत काल: छत्तीसगढ़ विजन 2047'' दस्तावेज़ जारी किया जाएगा। इस विजन डॉक्यूमेंट में अगले 23 वर्षों में छत्तीसगढ़ के विकास की रूपरेखा तैयार की जा रही है, जिसमें राज्य के सभी सेक्टर्स के त्वरित विकास को सुनिश्चित किया जाएगा। श्री चौधरी ने कहा कि सभी वर्गों के कल्याण के लिए केन्द्रीय बजट में विशेष प्रावधान किए गए हैं। उन बजट प्रावधानों को भी ध्यान में रखते हुए हमारा विजन तैयार किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि विजन दस्तावेज में सभी विभागों के विजन को शामिल करने के लिए अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की गई है। इसके लिए सभी संभागों में युवा, महिला, कृषक और प्रबुद्धजनों के साथ जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन कर उनके विचारों को शामिल किया जा रहा है। साथ ही मोर सपना मोर विकसित छत्तीसगढ़ पोर्टल के माध्यम से लोगों के सुझाव आमंत्रित किए गए हैं।

मंत्री ओ.पी. चौधरी ने सर्विस सेक्टर को और ज्यादा बढ़ावा देने, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाने, भविष्य में जल की जरूरतों को पूरा करने, राज्य के युवाओं के लिए उद्यमशीलता को बढ़ावा देने, राज्य में पर्यटन संभावनाओं को देखते हुए उस पर फोकस करना है। वित्तीय स्त्रोतों को बढ़ाने के उपायों, ग्रीन एनर्जी की डिमांड, केन्द्रीय सरकार के भविष्य की नीति, पर्यटन के क्षेत्र में ब्रांड विकसित करने, जिसमें रोजगार और राजस्व का सृजन, विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित करने सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों को दस्तावेज में शामिल कर सरल और सुशासित छत्तीसगढ़ बनाने तथा राज्य के नागरिक खुशहाल जीवन जी सकें, जैसे बातों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्यों द्वारा संबंधित क्षेत्रों के विकास के लिए बनायी जा रही नीतियों की भी जानकारी होनी चाहिए।

स्वस्थ और खुशहाल छत्तीसगढ़ के लिए उन्होंने स्वास्थ्य और सुपोषण पर जोर देते हुए, विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं तथा सभी को सस्ता और सुलभ इलाज की उचित व्यवस्था को भी दस्तावेज में शामिल किए जाने की बात कही। उन्होंने राज्यों के कुछ शहरों को मेडीसिटी के रूप में विकसित करने, जनसंख्या आधारित स्वास्थ्य प्रबंधन कार्यक्रम बनाने तथा सुपोषण के लिए अभियान चलाने की भी बात कही।

साय के सुशासन में किसान हुए खुशहाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में किसान हितैषी निर्णयों से आर्थिक लाभ मिल रहा है, जिससे किसानों को खेती-किसानी करने में आसानी हो रही हैं। प्रदेश के किसान खुशहाल हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और प्रदेश में धान की अच्छी फसल होती है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों से धान खरीदी की जाती है। खरीफ वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर 24 लाख 72 हजार किसानों से 144.92 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी की गई है। बालोद जिले के अधिकतर किसान प्रमुख रूप से कृषि कार्य करते हैं, उनके आर्थिक जीवन का आधार कृषि है। किसान प्रमुख रूप से धान की खेती करते हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन किसानों की खुशहाली का नया दौर शुरू हुआ है।

बालोद विकासखण्ड के ग्राम कोहंगाटोला के किसान डोमनलाल साहू ने बताया कि वे लगभग 05 एकड़ में धान की खेती करते हैं। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में विगत खरीफ वर्ष का धान उन्होंने 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से विक्रय किया था, जिसका उन्हे 3100 रूपये की दर से राशि प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही उसे 02 साल का बकाया बोनस भी उनके खाते में आ गया है। यह सब उसके लिए बहुत ही सुखद समय था, जब उसने इन पैसों का उपयोग अपने पक्का मकान बनाने के लिए किया और बचे हुए पैसों को अपने बच्चों की शादी के लिए जमा किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के किसान हितैषी योजना की सराहना करते हुए किसानों के लिए मददगार बताया है। बालोद विकासखण्ड के ही ग्राम रेवती नवागांव के किसान तुलाराम नागवंशी ने बताया कि अब उन्हें धान विक्रय का सही दाम मिला है। इसका उपयोग उन्होंने अपने निर्माणाधीन मकान में किया है। अच्छी खेती-किसानी और डबल फसल लेने के लिए अपने खेत में सिंचाई हेतु एक बोर खनन भी कराया है।

उन्होंने योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय किसानों के उत्थान के लिए बेहतर काम कर रहे हैं, इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में काफी ज्यादा सुधार आया है। अब समय पर हमें खेती-किसानी के लिए आवश्यक खाद व उर्वरक सोसायटी से मिल रहा है।

आधुनिक तकनीक से होगी खनिजों की खोज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य स्तरीय भू-वैज्ञानिक कार्यक्रम मडल छत्तीसगढ़ की 24वीं बैठक खनिज साधन विभाग के सचिव पी. दयानंद की अध्यक्षता में राजधानी रायपुर स्थित सिविल लाइन विश्राम भवन के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में सम्पन्न हुई। बैठक में सचिव पी. दयानंद ने कहा कि किसी भी देश एवं राज्य के विकास में खनिजों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

छत्तीसगढ़ में खनिज आधारित नए उद्योगों की स्थापना के लिए राज्य में विद्यमान विभिन्न खनिजों का सतत् एवं व्यवस्थित तरीके से अन्वेषण किया जाना चाहिए।

उन्होंने बैठक में उपस्थित अन्वेषण कार्यों से संबद्ध सभी विभागों एवं संस्थानों से कहा कि छत्तीसगढ़ के समग्र विकास हेतु वे अपनी कुशलता, संसाधन एवं उपलब्ध नवीनतम् तकनीकियों का उपयोग कर प्रदेश में पाये जाने वाले खनिजों का अन्वेषण करे। उन्होंने छत्तीसगढ़ में खनिजों के विकास के लिए कार्य करने वाली एजेंसियों के मध्य उत्पादित आंकड़ों को आपस में साझा करने और परस्पर समन्वय स्थापित किये जाने की सलाह दी है। श्री दयानंद ने बताया कि वर्ष 2023-24 में लगभग 13000 करोड़ रूपए के खनि राजस्व की प्राप्ति हुई है जो राज्य स्थापना वर्ष की तुलना में लगभग 30 गुना अधिक है। खनिज विभाग के सचिव पी. दयानंद ने राज्य में खनिज अन्वेषण एवं खनिज दोहन के क्षेत्र में कार्यरत केंद्र और राज्य सरकार के विभागों एवं संस्थानों द्वारा वर्ष 2023-24 में किये गये भू-वैज्ञानिक कार्यों की समीक्षा की।

समीक्षा के दौरान वर्ष 2023-24 के सम्पादित कार्यों की उपलब्धियों पर चर्चा की गई।

850 श्रद्धालु अयोध्या धाम के लिए रवाना, काशी विश्वनाथ का भी करेंगे दर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्रीरामलला दर्शन योजना के तहत 850 श्रद्धालुओं को लेकर भारत गौरव स्पेशल ट्रेन बिलासपुर से रवाना हुई। ये श्रद्धालु अयोध्या में श्रीरामलला के साथ ही काशी में बाबा विश्वनाथ का भी दर्शन करेंगे। बिलासपुर जिला पंचायत के अध्यक्ष अरुण सिंह चौहान ने हरी झंडी दिखाकर श्रद्धालुओं को रवाना किया।

राज्य शासन के श्रीरामलला दर्शन योजना के अंतर्गत बिलासपुर संभाग के 850 श्रद्धालु अयोध्या और काशी जा रहे हैं। यात्रा और दर्शन को लेकर श्रद्धालु काफी उत्साहित दिखे। स्टेशन पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। जय श्रीराम के जयकारे से पूरा

स्टेशन राममय हो गया। पारंपरिक नृत्यों और बाजे-गाजों के बीच उन्हें अयोध्या के लिए रवाना किया गया। यात्रा के दौरान खान-पान सहित सभी सुविधाएं राज्य शासन द्वारा उपलब्ध कराई जाएंगी।

भारत गौरव स्पेशल ट्रेन से श्रीरामलला और बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए जा रहे लोगों ने श्रीरामलला दर्शन योजना के लिए छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति आभार जताया। बिलासपुर की जोरापारा, सरकण्डा की श्रीमती रमा तिवारी ने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि हमें यह अवसर प्राप्त हो रहा है। हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

हम श्रीरामलला के दर्शन को लेकर बेहद उत्साहित हैं। कोरबा के प्रताप सिंह ने कहा कि यह योजना राज्य के लोगों की आस्था का सम्मान है। इससे प्रदेशवासियों को श्रीरामलला के दर्शन का सुअवसर मिल रहा है। रायगढ़ की श्रीमती राजकुमारी पटेल ने कहा कि हमें अयोध्या दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। इसके लिए हम सरकार के आभारी हैं।

मुख्यमंत्री ने 'हर घर तिरंगा' अभियान का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री निवास भारत माता की जय और वंदे मातरम से गूंजा उठा, स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित किया जाएगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश की आजादी का प्रतीक तिरंगा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्य के हर घर में लहराएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में आए लोगों को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा वितरित कर ''हर घर तिरंगा'' अभियान की शुरूआत की।

जनदर्शन में उपस्थित नागरिकों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लहराते हुए भारत माता की जय और वंदे मातरम का उद्घोष किया। गौरतलब है कि आजादी के अमृत महोत्वस के अंतर्गत स्वतंत्रता सप्ताह 09 से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत सभी भारतीय नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। ''हर घर तिरंगा'' अभियान से नई पीढ़ी के साथ-साथ सभी लोगों में राष्ट्रीय भावना जगेगी और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति गौरव और सम्मान भी बढ़ेगा। स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान राज्य से लेकर जिला स्तर पर तिरंगा यात्राएं, तिरंगा रैलियां, तिरंगा दौड़ और मैराथन जैसे अनेक देश-भक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। तिरंगा अभियान में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के दौरान तिरंगा प्रतिज्ञा ली जाएगी। इन कार्यक्रमों में शामिल होने वाले लोग को तिरंगा के साथ सेल्फी लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और उनके परिवारों को स्थानीय कार्यक्रमों में आमंत्रित कर उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

इसके साथ तिरंगा के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए स्थानीय स्तर पर बाइक, सायकल और कार रैलियां आदि निकाली जाएगी। जिसमें युवा स्वयं सेवकों, विभिन्न संगठनों और विभिन्न राज्यों की प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी होगी। सभी उम्र के लोग इसमें शामिल होकर राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान प्रकट करेंगे। तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में खेल और फिटनेस से जुड़े लोगों को भागीदारी करने और ब्लॉग बनाने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। संस्कृति मंत्रालय द्वारा ब्लॉगर और इंफ्लुएंसर के परिचय के लिए यू-ट्यूब क्रिएटर प्रोग्राम साझा करेगा। इस दौरान देश भक्ति संगीत के साथ सार्वजनिक स्तर पर तिरंगा कॉकॉन्सर्ट्स आयोजित किए जाएंगे। कॉन्सर्ट्स में तिरंगा एन्थम की प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम स्थलों पर तिरंगा कैनवास स्थापित किए जाएंगे। जहां लोग किसी भी भारतीय भाषा में ''हर घर तिरंगा'' और ''जय हिन्द'' लिख सकेंगे। प्रत्येक कैनवास का डिजाइन राष्ट्रीय ध्वज के समान 3:2 में होगा। आयोजन स्थल पर तिरंगा झंडे, वस्त्र, खाद्य पदार्थ के विक्रय के लिए स्टॉल भी लगाए जाएंगे। तिरंगा यात्रा में शामिल होने वाले सभी लोगों को ध्वज फहराने और तिरंगा के साथ सेल्फी लेने और हर घर तिरंगा वेबसाईट पर अपलोड किया जा सकेगा। प्रमाण पत्रों को सोशल मीडिया पर रुभ्तळींतज्पतंदह और रुभ्ळज्2024 के साथ साझा किया जाएगा। तिरंगा यात्रा से संबंधित तिरंगा प्रतिज्ञा, तिरंगा एंथम सहित विभिनन जानकारियां ''हर घर तिरंगा'' बेवसाईट पर उपलब्ध हैं। संस्कृति विभाग द्वारा सभी जिला कलेक्टरों को स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान ''हर घर तिरंगा'' कार्यक्रम के आयोजन बारे विस्तृत निर्देश जारी करते हुए इन कार्यक्रमों में जिले के अंतर्गत सार्वजनिक उपक्रमों, स्व-सहायता समूहों, सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950